साल 7 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-8 मार्च-2025 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

रामनवमी की शुभकामनाएँ

गणगौर की शुभकामनाएँ

286 दिन बाद धरती पर लौटने पर स्वागत

सुनीता विलियम्स

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक** : रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

आप सभी ने होली का त्योहार पूरे उल्लास व हर्ष से मनाया। इस बार होली कई मायनों में ऐतिहासिक रही। 100 वर्ष बाद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के NRSC क्लब में विद्यार्थियों ने होली मनाई, वहीं सम्भल के मंदिर में 46 वर्ष बाद होली का पर्व मनाया गया। सम्भल में होली का जुलूस भी धूमधाम से निकला। इस बार होली और रमजान का जुम्मा एक ही दिन था, पर प्रशासन की तारीफ करनी होगी कि दोपहर 2:30 बजे बाद नमाज और उससे पहले होली मनाने की व्यवस्था के साथ सुरक्षा चाकचौबन्द रखी। यदि सरकार व प्रशासन में इच्छा शक्ति हो तो सब सम्भव है, यह कर दिखाया उत्तर प्रदेश सरकार ने।

अब गणगौर का पर्व है जो हमारी संस्कृति में रचा बसा है तथा इस पर्व पर महिलाएं पूरा आनन्द लेती हैं। इसके बाद नवरात्री और रामनवमी आयेगी। मर्यादा पुरुषोत्तम राम, कुमावत समाज के भी आराध्य हैं इनके जन्मोत्सव को पूरा भारतवर्ष धूमधाम से मनाता है। कई स्थानों पर तो इस दिन गाजे-बाजे के साथ झांकिया व जुलूस निकाले जाते हैं जबकि मंदिर जाना व पूजा अर्चना करना आम बात है। हम इस अवसर पर नई पीढ़ी को साथ लें और उन्हें हमारी संस्कृति से अवगत करायें।

भगवान राम का जीवन मर्यादित था, जिसमें माता-पिता की सेवा एवं उनकी आज्ञापालन, विनम्रता, कर्तव्यनिष्ठा, गुरुओं एवं ऋषियों का आदर, त्याग, जातिगत भेदभाव के बिना मित्रता, करुणा, कृतज्ञता, शौर्य व पराक्रमी होने पर भी लेशमात्र अभिमान न होना तथा प्रजा पालन का भाव था न कि शासन करने की इच्छा। इसीलिए रामराज्य को आज भी लोग आदर्श राज्य मानते हैं। राम के आदर्श को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी जाती है। आईये, हम सभी रामनवमी पर्व को धूमधाम से मनाएं। आप सभी को **गणगौर** तथा **रामनवमी** की **हार्दिक शुभकामनाएं**।

श्री राम की मर्यादाओं का अनुकरण हमारे समाज की संस्थाओं में हो। ये वैसे ही कार्य करें जैसे रामराज्य में हुआ। यानी समाज उत्थान की सोच हो न कि पद पर येन-केन बने रहने की चेष्टा हो। प्राय: देखा गया है कि जो संस्थाओं में पद धारण कर लेता है वह उसे छोड़ना ही नहीं चाहता तथा एक से अधिक संस्थाओं में पदाधिकारी बनने की चेष्टा करता है। भला वह सभी जगह कैसे कार्य करने में समर्थ हो सकता है ? बढ़ती उम्र के साथ पद त्याग करके नये लोगों को मौका देकर उन्हें समाज सेवा के लिए तैयार करना भी समाजहित होता है। इससे संस्थाओं में जडता नहीं आती। आशा है ऐसे लोग अच्छा उदाहरण पेश करेंगे। जब नये लोग आयेंगे तो समाज एवं संस्थाओं में उत्साह के साथ नये विचार भी लायेंगे।

हमारी सामाजिक संस्थाओं में महिलाओं का न्यूनतम प्रतिनिधित्व है जबकि देखा गया है कि महिलाओं को जहां अवसर मिला उन्होंने उत्साह एवं प्रतिभा दिखाई है। समय आ गया है हम महिलाओं को निर्णय तथा नेतृत्व करने का मौका दें। जब महिला शक्ति और युवा शक्ति आगे आ जाये तो समाज उत्थान होने से कोई रोक नहीं सकता।

आईये, सकारात्मक सोच के साथ नवीन विचारधारा पनपने दें ताकि समाज का चहुमुखी विकास हो।

जय कुमावत समाज !

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
मूर्तिकार नरेश कुमावत सम्मानित	5
दक्षिता को महाराणा फतेहसिंह पुरस्कार	5
भारती वर्मा राजस्थान कांग्रेस (ओबीसी) प्रदेश महासचिव नियुक्त	5
ब्यावर में 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न	6
अक्षय कुमावत थल सेना में लेफ्टिनेंट बने	6
कुमावत को मिली डॉक्टरेट की उपाधि	6
सांवेर में भाजपा युवा नेता के जन्मदिन पर विशेष आयोजन	7
पी.डी. कुमावत को किया सम्मानित	7
श्रीराम कुमावत जिला स्तर पर सम्मानित	7
अलवर में कुमावत समाज का युवक-युवति परिचय सम्मेलन	7
महिलाओं का सांस्कृतिक पर्व गणगोर	8
कब आयेगा भारतीय AI	9
नववर्ष मनाने का ट्रेंड बदला	9
बोधि-वृक्ष	10
ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-4	10
श्रीराम पर विशेष	11
लोकहित के लिए था, राम का व्यक्तित्व	13
कैसा हो सूचना का स्वरूप ?	14
मोहन बालोदिया का लाईव शो 30 मार्च को	15
मयूर वर्मा को बेस्ट ड्राइंग अवार्ड	15
सन्नू कुमावत को पीएचडी उपाधि	15
सीकर विधानसभा क्षेत्र प्रभारी बने सुरेन्द्र लांबा	15
श्री सत्यनारायण मंदिर अजमेर में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम	15
स्व. श्री राम एस. वर्मा	16
झरना महादेव में कुमावत समाज की प्रतिभाएं सम्मानित	17
भन्दे बालाजी में सामूहिक विवाह सम्पन्न	17
भारत के संविधान निर्माण में अम्बेडकर की विशेष भूमिका	19
ब्यावर में विशाल फागोत्सव सम्पन्न	19
पर्व और त्योहारों का महत्त्व क्यों ?	20
इच्छा की प्रबलता ही कार्य की सिद्धि है...	20
अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स नो माह बाद लौटी	20
डायबिटीज़ पर सामान्य जानकारी	21
आलोचना: सबसे आसान कार्य !!	22
''प्रतिक्रिया नहीं, समझदारी चुनें''	23
क्यों बढ रहे हार्ट के मरीज	23
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
विज्ञापन	27-30

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)

को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

श्रीमती स्नेह-राम निवास कुमावत

(पूर्व एम.डी., जयपुर डिस्कॉम)

72/20, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

मूर्तिकार नरेश कुमावत सम्मानित

मूर्तिकार नरेश कुमावत के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण था जब भारत के माननीय गृह मंत्री श्री अमित भाई शाह के करकमलों से सम्मान प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। साथ ही, उनके कार्य का उद्घाटन पूज्य संत श्री मुरारी बापू, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी और स्वामी अच्युतानंद जी की पावन उपस्थिति में चित्रकूट, मध्यप्रदेश में हुआ।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर, नरेश कुमावत ने कहा कि वे समर्पण और कला यात्रा को और अधिक निष्ठा व श्रद्धा के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित है।

उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की कृपा से वे सौभाग्यशाली है कि उन्हें 167 से अधिक भव्य शिव प्रतिमाओं को गढ़ने और डिजाइन करने का अवसर मिला, जिनकी ऊंचाई 369 फीट से 16 फीट तक है, ये मूर्तियां विश्वभर में प्रतिष्ठापित हैं, जिनमें उत्तरी अमेरिका के मानव मंदिर, फ्लोरिडा और टोरंटो के माँ भवॉनी शक्ति मंदिर जैसी पावन स्थलों पर विराजमान हैं। हर प्रतिमा में उनकी श्रद्धा, समर्पण और प्रेम की छाप है। यह शिवत्व की महिमा का विस्तार है, जो अनंत काल तक भक्तों को प्रेरित करता रहेगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से नरेश कुमावत को हार्दिक बधाई।

दक्षिता को महाराणा फतेहसिंह पुरस्कार

दक्षिता कुमावत सुपुत्री विनोद जी सलवाडिया को शतरंज में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए 2 मार्च 2025 को प्रतिष्ठित 41वें महाराणा फतेह सिंह पुरस्कार और 11,000 रुपये के चेक से सम्मानित किया गया है। उदयपुर सिटी पैलेस में आयोजित भव्य पुरस्कार समारोह में उदयपुर के महाराजा लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने स्वयं उपस्थित होकर दक्षिता को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित मान्यता उनकी अथक लगन, रणनीतिक प्रतिभा और विभिन्न शतरंज प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। उनकी सफलता कुमावत समाज के लिए अपार गौरव की बात है, जिससे समाज के अन्य युवाओं को भी उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की प्रेरणा भी देती है। श्री हरिशंकर खंडारिया अध्यक्ष, कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट ने दक्षिता कुमावत को बधाई देते हुए यह सूचना इस पत्रिका को दी है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी **दक्षिता कुमावत** को **हार्दिक बधाई**।

डॉक्टर अजय कुमावत को माइक्रो एमडी, रतलाम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में चयन होने पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं।

भारती वर्मा राजस्थान कांग्रेस (ओबीसी) प्रदेश महासचिव नियुक्त

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग) की प्रदेश महासचिव पद पर 26 फरवरी, 2025 को **श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)** को नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव के निर्देश पर श्री हर सहाय यादव, चेयरमैन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) द्वारा की गयी है। इस समाचार को जानकर कुमावत समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत) वर्तमान में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की सचिव, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति मालवीय नगर जयपुर की अध्यक्ष तथा सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा की महिला अध्यक्ष भी हैं।

श्रीमती भारती वर्मा को कांग्रेस (ओबीसी) प्रदेश महासचिव बनाये जाने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

ब्यावर में 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

श्री कुमावत पंचायत सभा ब्यावर व श्री कुमावत सामूहिक विवाह समिति द्वारा आयोजित 15 जोडों का 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि श्री विकास सियोटा आयुक्त नगर परिषद ब्यावर थे। ब्यावर को प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ ब्यावर की मुहिम की प्रेरणा से सम्मेलन की थीम प्लास्टिक मुक्त रखी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक शंकर सिंह रावत ने की तथा कहा कि कुमावत समाज द्वारा यह अनुकरणीय पहल सराहनीय है। कार्यक्रम में लॉयन क्लब अध्यक्ष आबूरोड से सुभाष कुमावत, सुरेन्द्र जायलवाल ब्यावर, किशनगढ से GST इंस्पेक्टर राजेश कुमावत, मुम्बई से महेश कुकड़वाल, हैदराबाद से प्रकाश आलोदिया, जयपुर से व्यवसायी सी एम बड़ीवाल एवं शशिपाल अडाणिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में मंच से समाज के लिये एक जमीन लेने हेतु समाज के भामाशाह ने लगभग 50 लाख रुपये की घोषणा की। सम्मेलन में सहयोग करने वाले उपहारदाताओं, भामाशाहों तथा प्रायोजकों को अभिनंदन पत्र देकर एवं दुपट्टा पहना कर उनका स्वागत किया गया। पंचायत अध्यक्ष नंद किशोर जलांधरा द्वारा अतिथियों का माला साफा पहना कर स्वागत किया। भोजन व्यवस्था विष्णु कुण्डलवाल मुम्बई वालों तथा टेन्ट-पाण्डाल व्यवस्था विकास सियोटा की ओर से थी। टेन्ट व्यवस्था की जिम्मेदारी रवि नराणिया ने निभाई। चाय की व्यवस्था श्री ओम प्रकाश जी किरोडीवाल की ओर से थी। कार्यक्रम में महामंत्री धीरज कुन्डलवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम मे दिनेश नराणिया, राजेन्द्र राजोरिया, दिनेश सोकल, जगदीश प्रसाद देवतवाल, नरेन्द कारगवाल, राजू तिलकधारी, राजेश दम्बीवाल, दामोदर किरोडीवाल, मोहित खरखटा सहित गणमान्य नागरिक एवं युवा साथी और मातृशक्ति ने भाग लिया। सम्मेलन में 4000 लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। मंच का संचालन पंचायत महामंत्री रवि बेडवाल, महेश माचीवाल, गोपाल पारमवाल तथा सुमनबाला ने किया।

अक्षय कुमावत थल सेना में लेफ्टिनेंट बने

जयपुर के मुरलीपुरा निवासी श्रीमती कुसुम-श्री जयराम कुमावत के सुपुत्र अक्षय कुमावत भारतीय थल सेना में लेफ्टिनेंट कमिशन्ड हुए हैं। इन्होंने आफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, गया, बिहार से एक वर्षीय ट्रेनिंग की है तथा पहली पोस्टिंग 15 मैकेनाइज्ड इन्फ्रेन्ट्री बटालियन, अमृतसर में हुई है।

इनके पिता जयराम कुमावत भारतीय थलसेना में केप्टन पद से सेवानिवृत्त है, उनके ताऊजी भी भारतीय सेना में थे तथा ताऊजी का बेटा भी सेना में है। इनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि सेना में सेवा की रही। अक्षय की इच्छा भी सेना में जाने की थी इसलिए उन्होंने आर्मी स्कूल में पढ़ाई की तथा भारतीय सेना में जाने का अपना लक्ष्य पूरा किया। प्रेरणा को यदि जीवन का लक्ष्य बना लिया जाये तो लक्ष्य पर पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता, ऐसा कर दिखाया है **अक्षय कुमावत** ने लेफ्टिनेंट बनकर।

अक्षय कुमावत तथा उनके परिवार को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

कुमावत को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

भीलवाड़ा। महाप्रभु स्वामी रामचरण कन्या विद्यापीठ के प्राचार्य ओमप्रकाश कुमावत को जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जयपुर द्वारा पीएचडी की उपाधि 14 वें दीक्षांत समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ द्वारा प्रदान की गई, कुमावत ने शिक्षा विषय में शोध कार्य किया जिसके अंतर्गत उन्होंने टोंक जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों की लैंगिक रूढ़िबद्धता पर प्रोफेसर डॉ सुभा व्यास के निर्देशन में पूर्ण किया । इनके द्वारा किये गये शोध कार्य की शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

ढूंढाड़ परिषद का 12वाँ रंगारंग कार्यक्रम हुआ सम्पन्न। कार्यक्रम में राजस्थान के कई सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। 12 मार्च की शाम जय क्लब में हुए कार्यक्रम में राजस्थान की राजनैतिक व कला जगत की कई हस्तियों के साथ-साथ जयपुर के हजारों संगीत रसिक उपस्थित थे।

सांवेर में भाजपा युवा नेता के जन्मदिन पर विशेष आयोजन

सांवेर भाजपा नेता युवा नेता, समाजसेवी तथा धार्मिक आयोजनों में अग्रणी कुन्दन गजानंद करड़वाल का जन्म दिवस धूमधाम से सेवाकार्य करके मनाया गया। जन्म दिवस का आयोजन श्री पातल विजय उल्टे हनुमान मन्दिर पर विशेष पुजा अर्चना से प्रारम्भ हुआ, समर्थकों ने **सिविल अस्पताल सांवेर में मरीजों को फल वितरण किया।** इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी स्व. प्रकाश सोनकर मण्डल के अध्यक्ष तूफान सिंह पंवार, कृषि उपज मण्डी के प्रतिनिधि रुपनारायण कुमावत, भाजपा किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष नेमीचंद कारगवाल, नगर परिषद के पूर्व एल्डरमेन मनोहर कारगवाल, कपिल धनेरिया, आनंद साबलिया, उज्ज्वल धनेरिया, तुषार सिरोठा, तरुण करडवाल, निरज बराडिया, अमन कुमावत, अरविंद डूंगरवाल, रजत कुमावत, नरेंद्र वर्मा, शरद माण्डीवाल, आदि भाजपा नेता, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में कुमावत बंधु उपस्थित थे।

पी.डी. कुमावत को किया सम्मानित

किशनगढ़ रेनवाल के पास ग्राम करड़ निवासी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षाविद प्रभु दयाल कुमावत का रेनवाल कुमावत सेवा समिति ने स्काउट गाईड जम्बूरी शिविर में विशेष भूमिका निभाने पर सम्मानित किया। ज्ञात है कि भारत स्काउट गाईड राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली के तत्वाधान में डायमंड जुबली स्पेशल जबूरी त्रिची, तमिलनाडु में आयोजित हुई थी।

जबूरी में सब कैंप नंबर 04 चीफ स्काउटर पी. डी. कुमावत एलटी स्काउट महात्मा गांधी राजकीय स्कूल दांता सीकर ने कैप चीफ अभय सिंह शेखावत सीनियर एलटी के साथ राष्ट्रीय टीम में अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय मुख्यालय की निदेशक दर्शना पावस्कर, जंबूरी संयोजक अमर बी छेत्री उपनिदेशक ने स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र व गिफ्ट प्रदान कर पी डी कुमावत को सम्मानित किया। किशनगढ़- रेनवाल कुमावत सेवा समिति के सहमहामंत्री पन्नालाल खाटूवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनवारी लाल सिरस्वा, कोषाध्यक्ष श्रीनिवास जेठीवाल, उपाध्यक्ष भंवरलाल जेठीवाल, उपाध्यक्ष लादूराम बासनीवाल ने पी डी कुमावत को सम्मानित किया। बधाई।

श्रीराम कुमावत जिला स्तर पर सम्मानित

सीकर। राजस्थान की लुप्त होती कला और संस्कृति को बचाने के अथक प्रयासों के लिए श्रीराम कुमावत को महिला अधिकारिता विभाग, सीकर द्वारा आयोजित अमृता हाट एवं शेखावाटी उद्योग मेले (18-24 फरवरी 2025) में प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्रीराम कुमावत और उनकी बहन वंदना कुमावत, वर्ष 2015 से राजस्थानी लोककलाओं को संरक्षित करने में जुटे हैं। राजस्थान युवा महोत्सव-2025 में उनकी टीम ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो उनकी मेहनत का परिणाम है। पारंपरिक राजस्थानी लोकनृत्य और लोकगीतों को जीवंत बनाए रखने के उनके प्रयासों ने उन्हें इस क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाई है। आधुनिकता के दौर में जब पारंपरिक कलाएं विलुप्ति की कगार पर हैं, तब यह भाई-बहन अपनी जड़ों से जुड़े रहकर राजस्थान की संस्कृति को नए आयाम दे रहे हैं। जिला स्तर पर मिला यह सम्मान उनकी निष्ठा और समर्पण का प्रमाण है, जो भविष्य के कलाकारों के लिए प्रेरणा बनेगा। श्रीराम कुमावत का सम्मान राजस्थान की लोक संस्कृति को समर्पित हर कलाकार का सम्मान है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रीराम कुमावत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अलवर में कुमावत समाज का युवक-युवति परिचय सम्मेलन आगामी माह में

कुमावत क्षत्रिय समाज समिति, भूगोर, अलवर की 16 मार्च, 2025 को बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता कैलाश चन्द कुमावत द्वारा की गई। इस अवसर पर होली मिलन समारोह भी आयोजित हुआ और सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। समिति ने आगामी माह में युवक-युवती परिचय सम्मेलन (सामूहिक विवाह) कराने का प्रस्ताव रखा। समिति ने इस पर सहमति देते हुए सम्मेलन तथा प्रतिभा सम्मान समारोह आगामी माह में आयोजित करने पर सहमति दी।

Created by Universal Document Converter

महिलाओं का सांस्कृतिक पर्व गणगोर

गोर-गोर गणपति, ईसर पूजे पार्वती। होली के अगले दिन से अधिकांश हिंदू घरों में यह लोकगीत गुंजायमान रहता है। नई-नई वधुएं और कई स्त्रियां अपनी लोकपरंपरानुसार सोलह दिन चलने वाले पर्व का आगाज करती हैं और पूरे जोश-खरोश के साथ गणगौर के विभिन्न गीत गाती, नृत्य करती इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन बड़े अनूठे अंदाज में करती हैं। किसी के भी घर आँगन अथवा मंदिर में ईसर-गणगौर के प्रतीक पाटा लगाकर विराजमान किये जाते हैं और पूरे सोलह दिन गीत व भजनों के साथ रोली, काजल, मेहंदी आदि के साथ सोलह बिंदिया दीवार पर लगाई जाती हैं।

वास्तव में यह पूजा शंकर भगवान व पार्वती के रूप में ईसर-गणगौर कहलाई जाती हैं इसमें सुहागन स्त्रियां आपस में जोड़ा बनाकर अपने भाई व सुहाग की लम्बी आयु की कामना करती है। स्वयं रंगीन वस्त्र पहन व सजधज कर पूजा के लिए निकलती हैं।

बीच-बीच में ईसर-गणगौर की बिंदोरी भी बड़ी धूमधाम से निकाली जाती हैं। इस मौसम में नई-नई घास की खूब मांग रहती है। उन्हीं की नई डंठलों से भगवान को नहलाया जाता है व पूजा-अर्चना की जाती है।

जयपुर में तो खास उत्सव के साथ गणगौर माता की सवारी निकाली जाती है जो जयपुर शहर के मुख्य मार्गों पर सैलानियों का मुख्य आकर्षण होती है। देशी-विदेशी पर्यटक इस सवारी का भरपूर आनंद लेते हैं। इस बार इस पूजन का मुख्य व आखिरी दिवस 31 मार्च को पड़ रहा है। कई महिलाएं इस दिन गणगौर का उद्यापन भी करती हैं। 16 महिलाएं इसमें गिनती से बुलायी जाती हैं, उन्हें श्रद्धानुसार भोजन करवा कर भेंट के साथ विदा किया जाता है। प्रथम दिन जुहारे बोए जाते हैं और आखरी दिवस पवित्र जगह पर ईसर गणगौर को मंगल गीत गाकर विदा किया जाता है।

कुछ भी हो हमारी हिन्दू संस्कृति में कई स्वस्थ व जीवंत लोक देवता व परंपराएं हैं। जो हमारे मनमस्तिष्क में हिलोरे लेती रहती हैं जिनका मौसम विशेष से जुड़ी फसलों व पौधों के साथ जोड़कर उनका आनंद लिया जाता है जो हमें बखूबी आता है उसी का परिणाम है ये मनमोहक पहनावे, रीति-रिवाज, संस्कार और पर्व जो निरंतर हमें आगे बढ़ने, रिश्ते निभाने, एक-दूसरे से जोड़े रखने की मिसाल तो पेश करते ही हैं एक-दूसरे के धर्मों का मान रखने की आदत भी डालते हैं। ये छोटे-बड़े त्यौहार ही हैं जो व्यक्ति को स्ट्रेस, डिप्रेशन व एंजायटी से दूर ले जाते हैं और हमारे मन में अपने धर्म व संस्कृति के बारे में आत्म विश्वास पैदा करते हैं।

तो आइये, हम झूम-झूमकर आटे व गुड़ के गुणे (व्यंजन) बनाते हैं और ये गीत मिलकर गाते हैं-

गोर ये गणगौर माता खोल किवाड़ी
बाहर उबी थारे पूजन वाली.....
आओ हर्‌ये बागाँ जावाँ
दोबा लावा चौक पुरावाँ
पूजो ए पुजाओ के धन मांगो.....
माँगा ए जीवनधन लाछ ये लछमी
जणहर जामी बाबल मांगा रताँ
देयी मायड़
कान्ह कँवर सो बीरो मांगा राई सी भोजाई
ऊँट चढ़यो बहणोई मांगा चूनर वाली बहना
महल चढंतो साहेब मांगा जाँ की में घरनार.....

- भारती तोंदवाल

कुमावत इण्डिया पत्रिका मासिक का प्रकाशन वक्तव्य

1.	प्रकाशन का स्थान	: जयपुर (राजस्थान)
2.	प्रकाशन की अवधि	: प्रतिमाह 21 तारीख
3.	मुद्रक का प्रकाशक का नाम	: **छीतर मल कुमावत**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: एफ 31ए, एस एल मार्ग, लाल बहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर 302018
4.	सम्पादक का नाम	: **रमेश चन्द कुमावत**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: ई-45एबी, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018
5.	मुद्रक का नाम	: **चेतन बालोदिया**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: राज ब्लॉक्स, बी 81, करतारपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्र के स्वामी हैं	: **कुमावत प्रगति ट्रस्ट,** एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मैं **छीतर मल कुमावत** एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया विवरण सही है।

दिनांक : 21 मार्च, 2025 **-छीतर मल कुमावत, प्रकाशक**

Created by Universal Document Converter

कब आयेगा भारतीय AI

आर्टिफिसियल इन्टेलिजेन्स (ए.आई.) एक ऐसी तकनीक है जिसके माध्यम से अनेक ऐसे काम किये जा सकते हैं जो मनुष्य कर सकता है जैसे- घर में साफ-सफाई, खाना बनाने एवं परोसने से लेकर सभी कार्य, चिकित्सा क्षेत्र में जटिल ऑपरेशन आदि। उद्योगों में जोखिम भरे कार्य करने में AI समर्थ हैं।

माना जा रहा है कि इससे मानव सभ्यता के लिए संकट खड़ा हो सकता है, लोग बेरोजगार हो सकते हैं। यदि सटीक डेटा उपलब्ध नहीं हो तो AI गलत परिणाम देकर नुकसान पहुँचा सकता है। ये प्रारम्भिक आशंकाएं हैं। जब भारत में कम्प्यूटर आया था तब भी ऐसी बाते उठायी गई थी, पर वे निर्मूल साबित हुई। कम्प्यूटराइजेशन से रोजगार के नये अवसर उपलब्ध हुए, कार्य त्वरित व सही तरह से हो पाया तथा एक क्लिक में सूचनाएं देखना संभव हो पाया है।

एआई तकनीक विकसित करने वाली कम्पनियों को एकाधिकार व मनमानी न हो पाये इससे सभी देशों को निपटने पर विचार करना होगा वहीं ए.आई. तकनीक मानवीय नियंत्रण में रहे यह सुनिश्चित किया जाना होगा। AI में दुनिया बदलने की ताकत है, इसलिए इसके समुचित उपयोग के लिए वैश्विक ढांचा बने। यह तकनीक विश्व के लिए एक अवसर बने तथा इसका लाभ सही से कैसे मिले यह सुनिश्चित हो, इस बारे में **पेरिस में हाल ही में सम्मेलन हुआ है जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रो के साथ भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने सह-अध्यक्षता की है।** पर अमेरिका व ब्रिटेन ने इस समझौते से दूरी बना ली है।

जब कोई नवीन तकनीक आती है तो बेरोजगारी बढ़ने तथा अन्य नुकसान पहुंचने के साथ सुरक्षा के प्रति जोखिम की सम्भावना होती है। जबकि हुआ उल्टा ही है और रोजगार के नये अवसर पैदा हुए हैं और सुरक्षा उपायों से जोखिम कम हुआ है। हमें नये इनोवेशन का स्वागत करके मानवता के हित में उपयोग करना चाहिये। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस का कथन है कि एआई के आने से मनुष्यों की भूमिका पूरी तरह से खत्म नहीं होगी। एआई इंसान का सहायक होगा न कि उसका स्थान ले लेगा। एआई से काम के तरीके में बदलाव आयेगा, लेकिन इंसान की सोच और निर्णय लेने की क्षमता हमेशा महत्वपूर्ण रहेगी। एमेजोन में 95% कार्य AI से हो रहा है।

ऐसा माना जा रहा है कि AI पर निर्भरता संज्ञानात्मक क्षमताओं और सोचने की गम्भीर प्रवृत्ति में गिरावट का कारण बन सकती है। यह निराधार नहीं है क्योंकि मोबाइल फोन आने से अब हम निकट सम्बन्धियों के मोबाइल फोन नं. तक याद नहीं रख पा रहे हैं।

चीन ने **डीपसीक** एआई एप्लीकेशन को विकसित कर लिया है जो **चैटजीपीटी** के विपरीत नि:शुल्क है और आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है, इससे इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। यह चीन के तकनीकी कौशल को दर्शाता है तो इसका लीडर बन गया तो भारत के लिए चुनौती भी बन सकता है। चीन डीपसीक का दुरुपयोग कर अन्य देशों की गोपनीय बातें जान सकता है और वह नुकसान पहुंचाने में समर्थ हो सकता है। इसलिए भारत स्वयं को AI समर्थ बनाने में लगा है तथा इस दिशा में रिसर्च और विकास के लिए निवेश कर रहा है। जरूरत है भारतीय AI के त्वरित विकास की तथा इस तकनीक से प्रशिक्षित स्टॉफ की। साथ ही इस तकनीक पर मानव का पूर्ण नियंत्रण रहे और वह हमारी सोच एवं कौशल में कमी ना ला पाये। भारत ऐसा जल्द कर पाया तो हम इसमें दक्षता हासिल करते हुए चीन जैसे देश से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। साथ ही दक्षिणी देशों के लीडर के रूप में उभर कर उनकी मदद में भी समर्थ होंगे।

नववर्ष मनाने का ट्रेंड बदला

यूं तो दुनिया 1 जनवरी को नववर्ष मनाती है लेकिन सम्राट विक्रमादित्य के पंचाग के अनुसार हिन्दुओं का नववर्ष संवत 2082 चैत्र माह शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा, 30 मार्च 2025 को है। जिसे अब हिन्दू समुदाय 1 जनवरी के बजाए इस तिथि को नववर्ष के रूप में जोर-शोर से मनाने लगे हैं। दोनों में 57 वर्ष का अन्तर है। माना जाता है कि शुक्ल पक्ष चैत्र प्रतिपदा को ही ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। हिन्दु मान्यता के अनुसार इस दिन देवी-देवताओं का पूजन करना चाहिये। युधिष्ठर का राज्याभिषेक इस दिन होना माना जाता है।

कोंकण तथा महाराष्ट्र में इस दिन **गुडीपड़वा** पर्व मनाया जाता है। तेलंगाना व आंन्ध्रप्रदेश में **युगादी** पर्व तथा कश्मीर में **नवरेह** पर्व मनाया जाता है। इस दिन से ही 9 दिन चलने वाले **नवरात्री** पर्व की शुरुआत भी घट स्थापना से होती है जिसे पूर्ण उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। 9वां दिन रामनवमी पर्व मनाया जाता है।

इस दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर घर की सफाई करनी चाहिये, स्नानादि करके घर को तोरण, मांडणा, बांदरवाल तथा फूलों से सजाना चाहिये। कच्चे घरों को गोबर से लीपा जाता है। घर पर धर्म ध्वजा भी लगाते हैं। घर पर पूजा-पाठ, आरती कर श्रीखण्ड, दाल, चावल आदि पकवान बनाकर भगवान को भोग भी लगाया जाता है। अनेक स्थानों पर रामनवमी का जुलूस भी निकाला जाता है।

-सम्पादक

Created by Universal Document Converter

बोधि-वृक्ष

लुकमान के जीवन में उल्लेख है कि एक आदमी को उसने आयुर्वेद की शिक्षा के लिए भारत भेजा और उससे कहा कि तू बबूल के वृक्ष के नीचे सोता हुआ भारत पहुंच और किसी वृक्ष के नीचे मत सोना, बबूल के वृक्ष के नीचे ही रोज सोना। वह आदमी जब तक भारत आया, क्षय रोग से पीड़ित हो गया। कश्मीर पहुंचकर उसने पहले चिकित्सक को कहा कि मैं तो मरा जा रहा हूं। मैं तो सीखने आया था आयुर्वेद, अब सीखना नहीं है, सिर्फ मेरी चिकित्सा कर दो। मैं ठीक हो जाऊं तो अपने घर वापस लौटूं। उस वैद्य ने उससे कहा, ''तू किसी विशेष वृक्ष के नीचे सोता हुआ तो नहीं आया?''

उसने कहा कि, ''मुझे मेरे गुरु ने आज्ञा दी थी कि तू बबूल के वृक्ष के नीचे सोता हुआ जाना।'' यह सुनकर वह वैद्य हंसा। उसने कहा, ''तू कुछ मत कर। तू अब नीम के वृक्ष के नीचे सोता हुआ वापस लौट जा।'' वह नीम के वृक्ष के नीचे सोता हुआ वापस लौट गया। वह जैसा स्वस्थ चला था, वैसा स्वस्थ लुकमान के पास पहुंच गया।

लुकमान ने पूछा, ''तू जिन्दा लौट आया? तब आयुर्वेद में जरूर कोई राज है।'' उसने कहा, ''लेकिन मैंने कोई चिकित्सा नहीं की।''

उसने कहा, ''इसका कोई सवाल नहीं है। क्योंकि मैंने तुझे जिस वृक्ष के नीचे सोते हुए भेजा था, तू जिन्दा लौट नहीं सकता था। तू लौटा कैसे? क्या किसी और वृक्ष के नीचे सोता हुआ लौटा?''

उसने कहा, ''मुझे आज्ञा दी कि अब बबूल से बचूं और नीम के नीचे सोता हुआ लौट आऊं।'' तो लुकमान ने कहा कि वे भी जानते हैं।

असल में बबूल सक-अप करता है इनर्जी को। आपकी जो इनर्जी है, आपकी जो प्राण ऊर्जा है, उसे बबूल पीता है। बबूल के नीचे भूलकर मत सोना। और अगर बबूल की दातुन की जाती रही है तो उसका कुल कारण इतना है कि बबूल की दातुन में सर्वाधिक जीवन इनर्जी होती है, वह आपके दांतों को फायदा पहुंचा देती है, क्योंकि वह पाता रहता है। जो भी निकलेगा पास से वह उसकी इनर्जी पी लेता है। नीम आपकी इनर्जी नहीं पीती है, बल्कि अपनी इनर्जी आपको दे देती है, अपनी ऊर्जा आप में उड़ेल देती है।

लेकिन पीपल के वृक्ष के नीचे भी मत सोना। क्योंकि पीपल का वृक्ष इतनी ज्यादा इनर्जी उड़ेल देता है कि उसकी वजह से आप बीमार पड़ जाएंगे। पीपल का वृक्ष सर्वाधिक शक्ति देनेवाला वृक्ष है। इसलिए यह हैरानी की बात नहीं है कि पीपल का वृक्ष बोधि-वृक्ष बन गया, उसके नीचे लोगों को बुद्धत्व मिला। उसका कारण है कि वह सर्वाधिक शक्ति दे पाता है। वह अपने चारों ओर से शक्ति आप पर लुटा देता है। लेकिन साधारण आदमी उतनी शक्ति नहीं झेल पाएगा। सिर्फ पीपल अकेला वृक्ष है सारी पृथ्वी की वनस्पतियों में जो रात में भी और दिन में भी पूरे समय शक्ति दे रहा है। इसलिए उसको देवता कहा जाने लगा। उसका और कोई कारण नहीं है। सिर्फ देवता ही हो सकता है जो ले न और देता ही चला जाए।

- ओशो-महावीर वाणी

ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-4

उदासियों की वजह तो बहुत है जिन्दगी में,
मगर मुस्कुराने में, मजा कुछ और है जिन्दगी में।

मुस्कुराना खुशी का सार्वभौमिक संकेत है। इसलिए मुस्कुराने की कोई वजह जरूर तलाश लें। अगर मुस्कान सच्ची है तो यह वातावरण में एक अवर्णीय भावना पैदा करती है। मुस्कुराना वह शक्ति है जो सामने वाले के मूड को अच्छा कर देती है। आप चाहे खुद के लिए मुस्कुराये या अपनों के लिये या फिर अजनबियों के लिए, यह खुशी देता है। सवेरे-सवेरे सैर पर जाने पर जो अजनबी रास्ते पर मिल जाते हैं उन्हें देखकर मुस्कुराना उन्हें अच्छा संकेत देता है। उनमें से कुछ लोग करीबी दोस्त बन जाते हैं। जीवन की तेज रफ्तार के बीच विपरीत स्थिति में थोड़ी सी मुस्कुराहट डर, चिंता, घबराहट आदि पर नियंत्रण करने में सहायक होती है ओर आत्मविश्वास बढ़ाती है। जब हम कभी शब्द बोल नहीं पाते तो केवल एक मुस्कुराहट शून्य को भरने का काम कर देती है। मुस्कुराहट से हमारी खुशियां साझा होती है जो हमारी प्रसन्नता, प्यार, मित्रता आदि दिखाने का तरीका भी है। यह संचार का नायाब तरीका है।

जब कोई व्यक्ति खुश होता है तो उसके चेहरे पर मुस्कान आ ही जाती है, यह एक अच्छी थेरेपी है जो शरीर की ऊर्जा तथा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। मुस्करना सबसे अच्छी दवा है, तभी तो डॉक्टर के चेहरे पर मुस्कान दिखती है। हंसने-मुस्कुराने से रक्त में आक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, इससे रक्तचाप नियंत्रित रहता है, चेहरे की मांसपेशियों का स्वत: व्यायाम हो जाता है, आप ऊर्जा से भरपूर युवा दिखते हैं साथ ही आप बीमारियों से बचे रहते हैं।

यदि आप ऑफिस से थकने के बाद भी शाम एक मुस्कान के साथ घर में दाखिल होते हैं तो घर वालों का मन भी ठीक-ठीक रहता है। मुस्कान का कोई मोल नहीं होता, यह होंटो की गुलाम होती है। दुनिया बहुत हसीन है जरा मुस्कुरा के तो देखो। गाना भी है-**'तेरा मुस्कुराना गजब हो गया'**। लम्बे जीवन के लिए मुस्कुराना अच्छा माना गया है। इसलिए छोटी से छोटी वजह भी ढूंढनी चाहिए मुस्कुराने की।

- अमिता कुमावत

Created by Universal Document Converter

श्रीराम पर विशेष

- प्रो. बी. के. कुमावत, सेवानिवृत्त प्राचार्य

श्रीरामचरितमानस को विश्व साहित्य की अनुपम निधि कहा गया है, उसमें जिसकी कथा है, वे राम विश्व की परम निधि हैं। विश्व के मंच पर प्रस्तुत किया वे गोस्वामी श्रीतुलसीदास कौन-सी निधि हैं? दोहावली में वे कहते हैं कि 'मैं अवगुण निधि हूँ'। इसमें यह संकेत निहित है कि जो अपने आपको अवगुन निधि के रूप में स्वीकार करे, वही परमनिधि श्रीराम को पाने का अधिकारी है, वही मानस जैसी अनुपम निधि प्रस्तुत कर विश्व को अपना ऋणी बना सकता है। तुलसी का मानस, मानव-जगत को मानवता के परमादर्श का कालजयी सन्देश देता आ रहा है और देता रहेगा। यह लोकोत्तर तेज संसार के किसी ग्रन्थ को शायद ही उपलब्ध हो। इसीलिए यह ग्रन्थ देश और काल की सीमा लांघकर समूचे विश्व में समादृत हुआ। श्रीरामचरितमानस खण्डन-मण्डन के रूप में रचित ग्रन्थों के समान अल्पकालीन प्रभाव छोड़ने वाला ग्रन्थ नहीं है, वह तो गोस्वामीजी के संवेदनशील चित्त को, उनकी रचनात्मक प्रतिभा को झंकृत कर शाश्वत् मानवीय मूल्यों का अद्भुत और रागात्मक करने वाली दिव्य एवं भव्य एक अनुपम कृति है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामजी ने इस धराधाम पर अवतार लेकर उनकी पाँच लीलाओं से हमें धन्य किया है- बाललीला, विवाहलीला, वनलीला, रणलीला तथा राजलीला। गोस्वामीजी ने श्रीरामजी की नौ निधियों का सुन्दर वर्णन श्रीरामचरितमानस के प्रसंगों में किया है- 1. रूपशील-निधि, 2. प्रकाश-निधि, 3. कौतुक-निधि, 4. करुणा-निधि, 5. महा-निधि, 6. विद्या-निधि, 7. निज-निधि, 8. बल-निधि, 9. मंगल-निधि।

चित्रकूट के वन-प्रदेश में रहने वालों कोल-किरातों को तो भगवान् श्रीराम के दर्शन से ये सारी निधियाँ प्राप्त हो गईं, ऐसे आनन्द की अनुभूति हुई-

यह सुधि कोल किरातन्ह पाई।
हरषे जनु नव निधि घर आई।। (रा.च.मा. 2/135)

प्रत्येक निधि पर पृथक-पृथक ग्रन्थ लिखे जा सकते हैं, ऐसा भाव इनमें गोस्वामीजी ने भर दिया है, यह एक उनकी अलौकिक प्रतिभा का दर्शन कराता है।

प्रस्तुत आलेख में हम श्रीरामजी की करुणा-निधि पर विमर्श करेंगे। साहित्य मनीषी ऐसा मानते हैं कि करुणा दो प्रकार की होती है 1. वह करुणा जिसमें व्यक्ति व्याकुल तो होता है पर उसको परिवर्तित (बदलने) करने की सामर्थ्य उसमें नहीं होती। 2. वह करुणा होती है जिसमें व्यक्ति व्याकुल होता है और उसको परिवर्तित (बदलने) की सामर्थ्य भी होती है। प्रथम प्रकार की करुणा महर्षि वाल्मीकि की थी। उन्हें क्रौंच पक्षी की व्याकुलता को देखकर लगा कि हम अपनी व्याकुलता को प्रकट कर सकते हैं, पर उसकी पीड़ा दूर करने में समर्थ नहीं है। और उसी करुणा ने कविता को जन्म दे दिया-

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः।
यत् क्रौञ्चमिथुनादेकमवधीः काममोहितम्।।
(वा.रा. 1/2/15)

हे निषाद! तुझे नित्य-निरन्तर-कभी भी शान्ति न मिले, क्योंकि तूने इस क्रौच के जोड़े में से एक की, जो काम से मोहित हो रहा था, बिना किसी अपराध के ही हत्या कर डाली।

यह श्लोक कविता का जनक है। इसके बाद ब्रह्माजी के आशीर्वाद से मुनि ने रामायण की रचना की।

'करुणानिधि' श्रीरामजी की जो करुणा है, वह मात्र आँसुओं तक ही सीमित नहीं है अपितु उस करुणा के कारण को मिटाने की चेष्टा करती है-

'अस्थि समूह देखि रघुराया। पूछी मुनिन्ह लागि अतिदाया।।
निसिचर निकर सकल मुनि खाए। सुनि रघुबीर नयन जल छाए।।
निसिचरहीन करउँ महि भुज उठाइ पन कीन्ह।
सकल मुनिन्ह के आश्रमन्हि जाइ जाइ सुख दीन्ह।।
(रा.च.मा. 3/9)

करुणा की कथा सुनकर 'करुणानिधि' ने आँसू तो गिराये पर साथ ही भुजा भी उठा दी और निशाचर वध का प्रण भी लिया। उनके मुख से जो वाणी निकलीं, वही करुणा का सही स्वरूप और सदुपयोग था। अर्थात् करुणानिधि में करुणा की वृत्ति के द्वारा दया उत्पन्न होती है और वह उस कारण को विनष्ट करने की चेष्टा करती है, जिसकी वजह से ऐसी दयनीय स्थिति उत्पन्न हुई थी। तो करुणानिधि की करुणा कोरी करुणा नहीं, करुणा के साथ करुणा के कारण को मिटाने की करुणा है। इसीलिए श्रीराम 'करुणानिधि' है।

'करुणानिधि' शब्द में करुणा शब्द काव्य-शास्त्र से भी सम्बन्ध रखता है और भक्ति शास्त्र से भी। साहित्य के नव रसों में 'करुण' एक रस का नाम है और करुणा भक्तों का एक प्रधान भाव एवं लक्षण है। यह बात रेखांकित करने योग्य है कि गोस्वामी तुलसीदासजी जितने श्रेष्ठ कवि हैं उतने ही महान् भक्त या संत भी हैं। यही कारण है कि उनकी दृष्टि जहाँ एक ओर रस-परक थी, वहीं दूसरी ओर भावपरक भी थी। किन्तु कभी-कभी तुलसी का संत उनके कवि पर हावी हो जाता था और उन्हें रस-परिपाक की सर्वोच्च ऊँचाई पर पहुँचाने में (भाव पर आँच आने की दशा में) रोक देता था।

तुलसी के कवि ने श्रीसीताजी के सौंदर्य का वर्णन करने में कलम चलाई **'सोह नवल तनु सुंदर सारी।'** बस तुलसी के संत ने

Created by Universal Document Converter

उन्हें श्रृंगार रस को पराकाष्ठा पर ले जाने में मानों रोक लगा दी हो। क्योंकि सुन्दर साड़ी और नवल तन का समीकरण श्रृंगार को पराकाष्ठा पर पहुँचाने की भूमिका थी। और आगे की अर्द्धाली की भाषा मानो बिलकुल बदला दी गई हो।

अर्द्धाली का पूर्वार्द्ध तुलसी के कवि की भाषा है- **'सोहनवल तनु सुंदर सारी'** और अर्द्धाली का उत्तरार्ध मानों तुलसी के संत की भाषा है-

'जगत जननि अतुलित छबि भारी।'

आशय यह है कि संत ने कवि को संकेत किया क्या अतुलित छबि की भी तौल करना चाहते हो? 'जगत जननि' शब्द ने सारा श्रृंगार सीताजी के मुखारविन्द से हटाकर चरणारविन्द में डाल दिया। अब आँख उठाने का साहस कहाँ? गोस्वामीजी के व्यक्तित्व में रस-सिद्ध कवि एवं भावुक भक्त होने के नाते रस और भावों का विलक्षण समन्वय है।

'करुण' रस अन्य सभी रसों से इस कारण और प्रभावशाली माना जाता है कि हम दूसरों के दु:ख से जिस मात्रा में प्रभावित होते हैं, उतने दूसरे के सुख से नहीं। गोस्वामीजी ने इसीलिए करुण रस को विविध प्रसंगों में अन्य वात्सल्य, श्रृंगार, शान्त आदि रसों के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया है। पुष्प वाटिका प्रसंग में श्रृंगार के साथ वात्सल्य और करुण मिलाकर अपूर्व भाव रस की सृष्टि कर दी। इसका एकमात्र कारण यही है कि वे कवि के साथ-साथ भक्त (संत) भी हैं और भक्त पक्ष की ही उनमें प्रधानता है। जब वे पुष्पवाटिका में सीताजी और श्रीराम-लक्ष्मण के मिलन की झाँकी प्रस्तुत करते हैं, तब श्रृंगार के साथ वात्सल्य को भी संपृक्त कर देते हैं। सीताजी राम के साथ लक्ष्मण को भी देखती हैं, तो क्या वे दोनों को एक दृष्टि से ही देखती हैं? यह सम्भव नहीं। श्रीराम के प्रति प्रियतम की श्रृंगार रसभरी भावना है तथा लक्ष्मण के प्रति शुद्ध वात्सल्य भाव है। अतएव दोनों को देखने में स्वभावत: दृष्टि में पार्थक्य है।

चित्रकूट के मार्ग में प्रेम में मग्न गाँवों की स्त्रियाँ सीताजी के पास जाती हैं और संकोच में उनसे पूछती हैं कि ये (राम एवं लक्ष्मण) अपनी सुन्दरता से करोड़ों कामदेवों को लजाने वाले तुम्हारे कौन हैं। वहाँ गोस्वामीजी ने वात्सल्य रस तथा श्रृंगार रस दोनों को दर्शाया है। लक्ष्मणजी का परिचय देते समय 'बालमृगनयनी' के रूप में सीताजी को प्रस्तुत किया है और श्रीराम का परिचय देते हुए 'खंजन मंजु तिरीछे नयननि' के रूप में प्रस्तुत किया है। 'बालमृगनयनी' शब्द वात्सल्य रस का प्रतीक है जबकि 'खंजनमंजु तिरीछे नयननि' श्रृंगार रस का प्रतीक है। देखिये-

सकुचि सप्रेम बालमृगनयनी। बोली मधुर बचन पिकबयनी।
सहज सुभाय सुभग तनु गोरे। नामु लखनु लघु देवर मोरे।।

श्रीराम का परिचय देते समय सीताजी कहती हैं-

बहुरि बदन बिधु अंचल ढाँकी।
पिय तन चितइ भौंह करि बाँकी।।
खंजन मंजु तिरीछे नयननि।
निज पति कहेउ तिन्हहिंसिय सयननि।।

(रा.च.मा. 2/117)

पुष्पवाटिका तथा अशोक वाटिका दोनों में श्रीराम के लिये 'करुणानिधान' शब्द प्रयुक्त किया गया है।

'करुणानिधान सुजानसीलु सनेह जानत रावरो।'

(रा.च.मा. 1/236)

'रामदूत मैं मातु जानकी। सत्य सपथ करुनानिधान की।।'

(रा.च.मा. 5/14)

पुष्पवाटिका में संयोग श्रृंगार तथा अशोक वाटिका में वियोग श्रृंगार का वर्णन है। पर दोनों स्थान पर 'श्रृंगार' के साथ 'करुण' को जोड़ दिया। गोस्वामी इसके द्वारा यह बात रेखांकित करना चाहते हैं यह रामायण का महामंत्र है और सीताजी के लिए वरदान है।

पार्वतीजी ने सीताजी को आशीर्वाद भरा आश्वासन देते हुए यही 'करुणानिधान' नाम वरदानस्वरूप दिया था-

मनु जाहिं राचेउ मिलिहि सो बरु सहज सुंदर साँवरो।
करुनानिधान सुजान सीलु सनेहु जानत रावरो।।

(रा.च.मा. 1/236)

श्रीहनुमानजी ने अशोक वाटिका में अपना परिचय इसी वरदानी नाम की शपथ देकर दिया-**'सत्य सपथ करुनानिधान की।'** पुष्पवाटिका में पार्वतीजी ने वरदान देकर इसी 'करुनानिधान' नाम से सीताजी को आश्वस्त किया था और अशोक वाटिका में श्री हनुमानजी ने प्रमाण देकर इसी 'करुनानिधान' नाम से सीताजी को विश्वस्त किया। ऐसा प्रतीत होता है कि 'करुनानिधान' नाम सीताजी को आश्वस्त करने वाला विश्वस्त नाम है। श्रीहनुमानजी ने इस नाम का प्रमाण देकर मानों सीताजी को अशोक वाटिका से पुष्पवाटिका में पहुँचा दिया। यह नाम वियोगावस्था से संयोगावस्था में पहुँचा देता है। वियुक्त जीव को ईश्वर संयुक्त करने वाला यही 'करुनानिधान' नाम है। इसीलिये गोस्वामीजी ने बालकाण्ड के मंगलाचरण में जानकीजी की वन्दना करते समय उनका सम्बन्ध और प्रियता का उल्लेख इसी 'करुणानिधान' नाम से जोड़कर किया है-

जनकसुता जग जननि जानकी।
अतिसय प्रिय करुनानिधान की।।
ताके जुग पद कमल मनावउँ।
जासु कृपाँ निरमल मति पावउँ।।

(रा.च.मा. 1/18)

'राजा जनकजी की पुत्री, जगत् की माता और करुनानिधान श्रीरामचन्द्रजी की प्रियतमा श्रीजानकीजी के दोनों चरणकमलों को मैं मनाता हूँ, जिनकी कृपा से निर्मल बुद्धि पाऊँ।'

Created by Universal Document Converter

लोकहित के लिए था, राम का व्यक्तित्व

त्रेता युग में चैत्र सुदी नवमी के दिन सरयू नदी के तट पर स्थित अयोध्या के सूर्यवंश में महाप्रतापी राजा दशरथ-माता कौशल्या से विष्णु के अवतार राम का प्राकट्य हुआ। उनके व्यक्तित्व ने मानव जीवन शैली के ऐसे आदर्श स्थापित किये जिनका अनुसरण सनातन अनुयायी आज भी करते आ रहे हैं। राम के व्यक्तित्व के उज्ज्वल पक्ष को स्मरण करने तथा स्वयं को साधने के लिए रामनवमी (राम जन्म दिवस) को एक महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि मनुष्यता के आदर्श चरित्र का अनुसंधान कर रहे थे तो देवर्षि नारद जी ने उन्हें श्रीराम का परिचय दिया तथा बताया कि **''तमेवं गुणसम्पन्नं रामं सत्यपराक्रमम्।''** अर्थात राम गुणवान, पराक्रमी, धर्मज्ञ, दृढ़ प्रतिज्ञ, सत्यनिष्ठ, संयमी, परोपकारी, सामर्थ्यवान, प्रियदर्शन आदि विशेषताओं से परिपूरित हैं।

इन गुणों के कारण वे हमारी भारतीय संस्कृति तथा समाज के अन्तर्मन में रचे-बसे हैं। भारतीय लोक में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्रतिष्ठा, शताब्दियों से पारस्परिक समन्वय तथा समावेशी आदर्श जीवन शैली के रूप में जन-जन की भावनाओं में है। उनके त्याग, शौर्य, करुणा, विनय, कृतज्ञता, गुरुजनों एवं ऋषियों का आदर, कर्तव्य तथा दायित्वों का सम्यक पालन के मानक आज भी आदर के साथ याद किये जाते हैं। उनकी राजव्यवस्था को रामराज्य के रूप में आदर भाव से देखा जाता है तथा उससे लोक प्रेरणा लेते हैं। राम का सौन्दर्य-माधुर्य का गुणगान कर प्रात: सायं भक्तगण मंगल प्रार्थना करते हैं।

राम ऊँच-नीच तथा गरीबी-अमीरी से परे थे। **''कह रघुपति सुनु भामिनी बाता। मानऊँ एक भगति कर नाता।''** अर्थात् राम तो केवल भक्ति का ही संबंध मानते हैं। शबरी जो निम्न जाति की उपेक्षित महिला थी तथा राम एक विशाल साम्राज्य के सूर्यवंशी राजकुमार थे फिर भी राम ने इस अंतर को नजरअंदाज करके शबरी को मान-सम्मान दिया तथा उसके झूंठे बेर खाये। भक्ति के मार्ग में सब समान हैं तथा भेदभाव को कोई स्थान नहीं।

राम ने **मित्रता** निभाने का आदर्श भी प्रस्तुत किया। इसके उदाहरण निषादराज, सुग्रीव तथा विभीषण है। राम कहते हें कि मित्रता ही एक ऐसा नाता है जो जाति, धर्म, ऊँच-नीच के भेद को दूर करता है।

मातृ-पितृ भक्ति के लिए राम कहते हैं कि माता-पिता से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं तथा दोनों इस लोक में नारायण के समान हैं। श्रीराम ने मातृ-पितृ भक्ति को जीवन की सफलता से जोड़कर समूची मानवता को संदेश दिया।

कृतज्ञता श्रीराम के व्यक्तित्व का उज्ज्वल पक्ष है। इसका उदाहरण राम-भरत संवाद में गुरु वशिष्ठ के लिए, वनयात्रा में सुग्रीव, विभीषण तथा हनुमान के लिए तथा लंका विजय का श्रेय वानर सेना को देने से मिलता है।

प्रतिज्ञा पूरी करने की **दृढ़ता** का असाधारण गुण राम में था। जो उन्होंने वन गमन कर पूरा किया तथा भरत आदि परिवारजनों के मनाने पर भी इससे विचलित नहीं हुए। वे रघुकुल की **सत्यवादिता** को अक्षुण रख पाये। मानव जीवन को उन्नत बनाने में सत्यनिष्ठा प्रमुख है। गोस्वामी तुलसीदास मानस में कहते हैं ''धरम न दूसर सत्य समाना।''

राम में **आत्मसंयम** का गुण अद्वितीय था, यह हमें मिथिला में धनुष भंग होने पर सीता का हाथ उन्हें सौंपते समय, कैकई के द्वारा वनवास दिये जाने पर, समुद्र द्वारा लंका का मार्ग देने के लिए समुद्र से प्रार्थना करने पर देखने को मिलता है।

मनुष्यता की उत्थान यात्रा में सार्वभौमिक आदर्श की पहचान है **राम**। इनके चरित्र का गुणगान न केवल वाल्मीकी व तुलसी, जैसे कवियों ने किया बल्की अनेक क्षेत्रीय भाषाओं में रचित रामायणों से भी मिलता है। इसके अतिरिक्त श्री जय देव, राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्ता, मुरारी बापू और कुमार विश्वास जैसे आधुनिक कवि भी करते हैं। मानव को श्रीराम में अपना प्रतिबिम्ब देखना चाहिये और उनके गुणों को अपने जीवन में आत्मसात कर स्वयं को संवारना चाहिए।

राम **प्रतिबद्धता** में बसते हैं, रिश्ते-नातों में प्रतिबद्धता न हो तो इनका कोई मोल नहीं। जिस पिता के कारण उन्हें 14 वर्ष का वनवास मिला, उन्हें वे तीनों लोकों में श्रेष्ठ मानते हैं। वहीं वनवास से लौटकर कैकई मां से सर्वप्रथम मिलते हैं। राम वचनों के प्रति प्रतिबद्ध थे, जो कह दिया उसे सदैव माना। प्रत्येक शुभ के मूल में प्रतिबद्धता है। इसी में समूची सफलता, संबंध, समृद्धि तथा संतुष्टि निहित है।

इस बार 6 अप्रेल, 2025 को अपराह्न 12 बजे अयोध्या में श्री रामलला का जन्म होगा तथा इस वक्त सूर्य भगवान अपने कुल में जन्म ले रहे रामलला को सूर्य तिलक लगाएंगे। यह दृश्य बड़ा ही मनोरम होगा।

प्रतिवर्ष चेत्र माह में **रामनवमी** आती है जो हमें राम का सुमिरन करा जाती है। राम का सम्पूर्ण जीवन हम सभी को मयार्दा के अनुष्ठान की याद दिलाता है। उनकी विविध लीलाएं लोक मंगल तथा मनुष्यता के उत्थान की कसौटी है। हम स्वयं राम के प्रतिबिम्ब में अपना जीवन चरित्र देखें और उनका अनुसरण करके स्वयं के स्वरूप को निखार सकते हैं।

- रमेश गैदर

Created by Universal Document Converter

कैसा हो सूचना का स्वरूप ?

-उर्वशी बालोदिया

किसी भी सामाजिक समारोह या कार्यक्रम या क्रियाकलाप या सेवाकार्य का जब आयोजन किया जाता है तो इसका सीधा तात्पर्य समाज को निस्वार्थ रूप से दिया जाने वाला सेवा लाभ है। इस प्रकार के कार्यक्रम निश्चित रूप से समाज को विकसित, स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनाते हैं। समाज का वह वर्ग जो किसी भी प्रकार से अक्षम, असमर्थ या असहाय रह गया है, उस वर्ग को हम सक्षम वर्ग के समकक्ष खड़ा करने का प्रयास करते हैं। आज हमारे समाज में भी अनेकानेक कार्यक्रमों के आयोजन भारतवर्ष के लगभग सभी राज्यों में तथा शहरी इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत ही खूबसूरत तथा व्यवस्थित रूप से सम्पादित किए जाने लगे हैं। यह हमारे समाज के लिए अत्यन्त गौरव की बात है, बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया जाने लगा है, निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह संस्कार करके विदा करने में माता-पिता को सम्बल व सहारा मिला है वहीं दहेज प्रथा, भात प्रथा, भोजन व्यर्थ गंवाने जैसी कुप्रथाओं पर भी काफी हद तक रोकथाम हुई है। इसी क्रम में परिचय सम्मेलनों, सम्मान समारोहों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भक्ति कार्यक्रमों इत्यादि के द्वारा समाज को आपस में जुड़ने का अवसर मिला है। इसके अतिरिक्त इन कार्यक्रमों द्वारा युवा वर्ग को आगे बढ़ने का तथा समाज के लिए कुछ करने का प्रोत्साहन भी मिलता है। इसी प्रकार से आजकल हमारे समाज में चिकित्सा से जुड़े कार्यक्रमों तथा शिविरों का आयोजन किया जाने लगा है जिनमें नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा तथा रक्तदान शिविर इत्यादि का आयोजन भी शामिल है।

एक बात जो मुझे बार-बार सोचने पर व कुछ कहने पर मजबूर कर देती है, वो यह है कि जब भी इन कार्यक्रमों की जानकारी सोशल मीडिया द्वारा जनता तक पहुंचायई जाती है तो अक्सर मंच की ही तस्वीरें शेयर की जाती हैं जिनमें या तो समारोहों में आने वाले विशिष्ट अतिथियों का परिचय होता है या फिर सम्मानित किए जाने वाले लोगों का। जब भी कभी मैंने सामूहिक विवाहों से जुड़े समाचार या जानकारियां देखी तो विशिष्ठता कर्यक्रम में शिरकत करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को व बड़े नेताओं को ही दी गयी है जबकि सामूहिक विवाह में जिन जोड़ों के विवाह सम्पन्न हुए उनके नाम व परिचय तक का कहीं कोई उल्लेख नहीं है। मेरा सुझाव है कि सामूहिक विवाह सम्पन्न कराने वाली संस्था के सदस्यों के बारे में परिचय तथा विवाह में सम्मिलित जोड़ों का नाम व परिचय अवश्य दिया जना चाहिए क्योंकि कार्यक्रम की सफलता के श्रेय के वास्तविक हकदार वे ही हैं। दूसरी बात उनका सम्मान अवश्य करें इससे समाज के अन्य लोगों को भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का प्रोत्साहन मिलता है। मेरा मानना है कि जब भी समाज में इस प्रकार के सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन हो तो जितने भी जोड़े इसमें हिस्सा लें उनका परिचय तथा समाज सुधार में उनकी भूमिका की प्रशंसा का उल्लेख अवश्य किया जाना चाहिए। इससे अधिक से अधिक लोग सामूहिक विवाह का हिस्सा बनने हेतु जागरूक होंगे। अतिथियों का परिचय भी आवश्यक है क्योंकि उनके द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग के बिना भी समारोह की सफलता व क्रियानवयन की संभावना असंभव है। कृपया उन व्यक्तियों का अस्तित्व जन-जन के समक्ष अवश्य लाएं जिन्होंने इन कार्यक्रमों का हिस्सा बनकर एक सराहनीय कदम उठाने की पहल की है। इसी प्रकार बड़ी हास्यास्पद सी स्थिति लगती है जब किसी रक्तदान शिविर के आयोजन के दौरान फल वितरित करने वाले व्यक्तियों की तस्वीर हाईलाइट की जाती है। आज तक मैंने यही सुना व पढ़ा है कि फलां रक्तदान शिविर में इतने यूनिट रक्तदान किया गया और उसके बाद शुरू होता है अतिथिगणों के नामों के उल्लेख का सिलसिला। कभी मैंने ये नहीं पढ़ा कि रक्तदान करने वाले व्यक्तियों के नामों की सूची ये है या कितने व्यक्तियों ने रक्तदान किया। तस्वीरों को देखने के बाद ये समझ नहीं आ पाता कि रक्तदान करने वाले ने ज्यादा महानकार्य किया है या सेब या केला बांटने वाले का कार्य अधिक महान है। आप इससे सहमत है या नहीं ये आपका निजी विचार है, मगर पूरे समाज के लिए मेरा ये सुझाव है और मैं समाज से यह अनुरोध करती हूँ कि जो लोग वास्तव में रक्तदान जैसे महान कार्य में अपना अतुल्य योगदान देते हैं व कार्यक्रम में भाग लेकर इन कार्यक्रमों को सफल बनाते हैं उनका एक संक्षिप्त परिचय अवश्य दिया जाएं जिसमें उनका नाम, निवास स्थान तथा परिवार का परिचय सम्मिलित हो। इसी के साथ उनको प्रमाण-पत्र तथा प्रशंसापत्र भी प्रदान कए जाएं ताकि वे अन्य लोगों तथा आने वाली नस्लों को अपनी विशिष्टता बता सकें। इन प्रयत्नों से हम निश्चित रूप से समाज के सभी वर्गों का रुझान इस प्रकार के कार्यक्रमों के प्रति बढ़ा सकते हैं तथा लोगों में जागरूकताएं व चेतना की वृद्धि कर सकते हैं।

विभा कुमावत ने मेरिट में बनाई जगह

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा की ओर से एमसीए मेरिट लिस्ट जारी की गई। इसमें विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की छात्रा विभा कुमावत ने अपनी जगह बनाई। कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी, डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल और आईटी विभाग की एचओडी नेहा तिवाड़ी ने इन्हें सम्मानित किया। बधाई।

Created by Universal Document Converter

मोहन बालोदिया का लाईव शो 30 मार्च को

बालीवुड फिल्मों के सदाबहार गानों के शो-मैन मोहन कुमार बालोदिया द्वारा 30 मार्च 2025 रविवार को महाराणा प्रताप सभागार विद्याआश्रम स्कूल, जेएलएन मार्ग, जयपुर में राजकपूर, मोहम्मद रफी, देवानन्द, दिलीप कुमार, भारत भूषण तथा पंकज उदास जैसे गायकों तथा अभिनेताओं की फिल्मों के गानों का 116वां गोल्डन ऐरा शो '**तुमको ना भूल पाएंगे**' का आयोजन सायं 6 बजे किया जाएगा। ज्ञातव्य रहे कि श्री मोहन कुमार बालोदिया के संगीत शो का सभी संगीतप्रेमियों को इंतजार रहता है तथा उनके कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोता संगीत का आनन्द लेने पहुंचते हैं।

मयूर वर्मा को बेस्ट ड्राइंग अवार्ड

बॉम्बे आर्ट सोसाइटी और जहांगीर आर्ट गैलेरी ने 133वीं ऑल इंडिया एनुवल आर्ट एक्जीबिशन 11-17 मार्च 2025 में प्रतिभावान चित्रकार मयूर वर्मा को बेस्ट ड्राइंग अवार्ड से सम्मानित किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से **मयूर वर्मा** को हार्दिक को बधाई।

सन्नू कुमावत को पीएचडी उपाधि

सन्नू कुमावत को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें ये उपाधि ''**माइक्रो फाइनेंस एंड इट्स रोल इन अपलिफ्टिंग स्टेटस वीमेन एंटरप्रेन्योरशिप इन राजस्थान विद् द स्पेशल रेफरेंस टू जयपुर**'' विषय पर शोध के लिए दी गई है। उन्होंने यह शोध कार्य एसोसिएट प्रो. डॉ. अंजू अग्रवाल के निर्देशन में पूरा किया है।

प्रहलाद कुमावत को ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें ये उपाधि 'जिओटेक के आधार पर भारतीय परंपराओं एवं रीति-रिवाज का संरक्षण एवं संवर्धन के आयामों के विकास का विश्लेषणात्मक अध्ययन, राजस्थान के संदर्भ में' विषय पर शोध के लिए दी गई है। उन्होंने शोध कार्य डॉ. धीर सिंह के निर्देशन में पूरा किया है।

सीकर विधानसभा क्षेत्र प्रभारी बने सुरेन्द्र लांबा

सीकर। पीसीसी सचिव एडवोकेट सुरेन्द्र कुमावत (लांबा) को सीकर विधानसभा क्षेत्र प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया है। कुमावत को प्रभारी बनाने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, सीकर ने प्रदेशाध्यक्ष का आभार प्रकट किया। साथ ही कुमावत की नियुक्ति पर खुशी जताई। श्री सुरेन्द्र लांबा को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

श्री सत्यनारायण मंदिर अजमेर में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम

शांतिपुरा स्थित श्री सत्यनारायण मन्दिर कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था की ओर से 16 मार्च को **वरिष्ठ नागरिक सम्मान एवं होली स्नेह मिलन समारोह** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से हुई। मुख्य अतिथि एडीशनल एस.पी. वेद प्रकाश बालोदिया ने 23 वृद्धजनों को साफा, माला श्रीफल एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेंट किया। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में आयुक्त नगर-निगम अजमेर की कीर्ति कुमावत ने 29 वृद्ध महिलाओं को शॉल ओढ़ाकर, माला, श्रीफल, मंगल कलश एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान विमला देवी पत्नी तोलाराम किरोड़ीवाल ने ग्यारह हज़ार रुपए की राशि संस्था को भेंट की। समारोह में समाज के लोगों ने गुलाब के फूलों से होली खेली। प्रकाश चन्द नागौरा ने भजन प्रस्तुत किए। मंच का संचालन शंकर लाल मारोठिया एवं सत्यनारायण ने किया। महामंत्री शंकर लाल घोडेला ने समारोह में अपने विचार रखें। अंत में संस्था अध्यक्ष ने समारोह में आने वाले सभी समाज बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्व. श्री राम एस. वर्मा

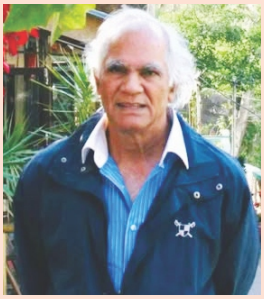

1964 बैच के आईएएस अधिकारी श्री राम एस. वर्मा (कुमावत) जो हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव रहे थे, उनका 12 जनवरी, 2025 को चंडीगढ़ स्थित निवास पर स्वर्गवास हो गया है। ये राजस्थान के श्रीमाधोपुर, जिला सीकर में जन्मे और वहां हाई स्कूल तक पढ़े। इसके बाद उन्होंने महाराजा कॉलेज और राजस्थान कॉलेज, जयपुर से शिक्षा प्राप्त की। तत्पश्चात् प्रतिष्ठित इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम.ए. किया। इसके बाद वे सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर में अंग्रेजी के लेक्चरर नियुक्त हुए। ये प्रतिभावान थे तथा पहले प्रयास में ही आईएएस में चयनित हुए।

राजस्थान के सीकर जिले से चयनित होने वाले पहले आईएएस अधिकारी बने तथा उन्हें 1964 में पंजाब कैडर आवंटित किया गया था, बाद में 1 नवंबर, 1966 को हरियाणा राज्य गठित होने पर इन्हें हरियाणा कैडर आवंटित किया गया।

श्री वर्मा 31 जनवरी, 1997 से 31 अगस्त, 2000 तक एसडीएम-सिरसा और रेवाड़ी, उप सचिव-उद्योग, निदेशक-पर्यटन, जनसम्पर्क और कृषि, उपायुक्त (कलेक्टर) भिवानी और करनाल, प्रबंध निदेशक-हरियाणा रोडवेज, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, अध्यक्ष-एचएसईबी, विभिन्न विभागों के सचिव और फिर हरियाणा के मुख्य सचिव के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया।

इनकी बड़ी बेटी प्रोफेसर डॉ. वंदना सहगल, अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में प्रिंसिपल और डीन-आर्किटेक्चर हैं और उनका विवाह डॉ. श्री नवनीत सहगल, आईएएस (1988 बैच यू.पी. कैडर)-अध्यक्ष, प्रसार भारती से हुआ है। उनकी दूसरी बेटी ज्योत्सना वर्मा, आईएएस (1992 बैच बिहार और बाद में झारखंड) एशियाई विकास बैंक, कंबोडिया की कंट्री डायरेक्टर हैं और उनकी सबसे छोटी बेटी उपासना वर्मा वाशिंगटन में विश्व बैंक में वरिष्ठ कार्यकारी हैं और उनका विवाह श्री राजीव मधोक से हुआ है जो एक कम्पनी चलाते हैं। स्व. श्री राम एस वर्मा ने अपने जीवन में निम्न पुस्तकें लिखीं हैं जो उनकी विद्ववता को स्वयं प्रकट करती है-

1. बिफोर ही वाज गॉड : रामायण रिकॉन्सिडर्ड... 2. सत्य स्वरूप रामायण 3. लाइफ इन आईएएस : माई एनकाउंटर्स विद द श्री लाल्स ऑफ हरियाणा 4. गिल्लीडांडा टू गोल्फ 5. हिंदूइज्म: फ्रॉम ऋग्वेद टू द रिपब्लिक, उनके कलम नाम राम वर्मा द्वारा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार को श्री राम एस. वर्मा के निधन पर गहरा दु:ख पहुंचा है। एक अच्छे अधिकारी तथा एक अच्छे व्यक्तित्व के चले जाने से उनकी भरपाई होना संभव नहीं है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से स्व. श्री राम एस. वर्मा को सादर श्रद्धांजलि।

स्वर्गवास 12 जनवरी 2025

श्रद्धांजलि

स्व. श्री राम सहाय वर्मा (लोहरवाड़िया) I.A.S.

पुत्र स्व. श्री रामचन्द्र जी लोहरवाड़िया (श्रीमाधोपुर)

ईश्वर आपकी आत्मा को श्री चरणों में स्थान दे एवं परिवारजनों को इस दु:ख की घड़ी में सात्वंना प्रदान करें।

श्रद्धावनत

हेमचन्द खड़गटा, मोहनलाल खड़गटा, चन्द्रकान्त खड़गटा, सतीश खड़गटा, योगेन्द्र खड़गटा, मनीष खड़गटा एवं समस्त खड़गटा परिवार, मोती डूंगरी, जयपुर

सम्पर्क सूत्र : 9351682036

झरना महादेव में कुमावत समाज की प्रतिभाएं सम्मानित

8 मार्च 2025 को झरना महादेव (मंदिरों की नगरी) आसीन्द में कुमावत समाज द्वारा प्रतिभाओं एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह का आयोजन हुआ इसमें मुख्य अतिथि पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री जोराराम कुमावत थे। समारोह में माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि आज टेक्नोलजॉजी के युग में उच्च शिक्षा के कारण ही हम आर्थिक रूप से सक्षम हो सकते हैं, इसलिए समाज को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ायें। आप बच्चों को उच्च शिक्षित तथा संस्कारवान बनाएंगे तो वे प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सरकारी या प्राइवेट नौकरियों में चयनित होकर अपनी मुकाम हासिल कर पायेंगे। मंडल विधायक उदयलाल भडाना ने कहा कि वे कुमावत समाज के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। पूर्व विधायक नानूराम कुमावत ने संवारिया मंदिर परिसर डीएमएफटी फंड व विधायक मद से 30 लाख रुपये की सराय बनवाने तथा कुमावत छात्रावास के लिए रियायती दर पर भूमि आबंटन करने की मांग की। मांडल प्रधान शंकर लाल कुमावत ने भी जन समस्याओं से अवगत कराया।

इस समारोह में कुमावत समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समाज प्रतिभाओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल अडानिया द्वारा किया गया।

ग्राम पंचायत स्तर पर खुलेगी गौशालाएं : आसीन्द में प्रतिभा सम्मान समारोह में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि गायों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तहसील और ग्राम पंचायत स्तर पर सरकार के सहयोग से नंदी गौशालाएं खोली जायेगी, जिससे निराश्रित गौवंश दर-दर नहीं भटके। इसके लिए जनता को जागरूक किया जाएगा।

भन्दे बालाजी में सामूहिक विवाह सम्पन्न

श्री कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति, भन्दे बालाजी में फुलेरा दोज 1 मार्च, 2025 को 21वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें 24 जोड़े परिणय सूत्र बंधन में बंधे। समारोह के मुख्य अतिथि श्री रूपाराम भंवरोदिया समाज सेवी आसलपुर, अतिविशिष्ट अतिथि श्री निर्मल कुमावत राष्ट्रीय मंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा एवं पूर्व विधायक फुलेरा थे तथा समारोह की अध्यक्षता श्री पन्नालाल कुमावत प्रमुख समाजसेवी, भामाशाह एवं बिल्डर द्वारा की गई। समारोह में गणेश निमंत्रण, वर निकासी, गणेश पूजन एवं थाम पूजन, तोरण वरमाला, पाणिग्रहण संस्कार तथा विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मध्याह्न सहभोज का आयोजन श्री रूपाराम भंवरोदिया की ओर से हुआ। समिति की ओर से उनका तथा शिक्षाविद पूरणमल अनावड़िया सहित भामाशाहों का सम्मान किया गया। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री रामप्रकाश मारवाल उपाध्यक्ष, श्रीमती भारती वर्मा (तोंदवाल) सचिव, श्री रमेश वर्मा सह-सम्पादक तथा श्री खेमचन्द खड़गटा सह-कोषाध्यक्ष ने भी समारोह में शिरकत की।

वर-वधू को समिति तथा समाजजनों की ओर से उपहार दिए गए। इस अवसर पर संत श्री अमरनाथ ने वर-वधू सहित सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कराया तथा कहा कि व्यक्तिगत रूप से विवाह करने पर फिजूल खर्ची तथा दहेज प्रथा पनपती है। उन्होंने आह्वान किया की सामूहिक विवाह सम्मेलन में अपने बच्चों का विवाह करें तथा अपने भविष्य को संवारे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों का विवाह हुआ उन **दम्पत्तियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।** वे सभी प्रशंसा के पात्र हैं जिनने सामूहिक विवाह में विवाह करना अपनाया।

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)

को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

रमेश कुमावत (गैदर)

से.नि. उपायुक्त राज्यकर

मो. 9414554322

E 45 AB, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-18

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राष्ट्रीय स्तर की संस्था में गत 30 वर्षों से विभिन्न पदों पर कार्य करने वाले वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता तथा वर्तमान में सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री सोहनलाल अजमेरा

को भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा नोटेरी नियुक्त करने पर

हार्दिक बधाई।

शुभेच्छु

श्री अजय कुमार अजमेरा-पूनम अजमेरा, श्री संग्राम सिंह सोकल-ममता, श्री बृजेश कुमार बरबूटया-दीपा, श्री राजकुमार होदकास्या-मिनाक्षी, श्री भगवान लाल कुमावत-यशोदा देवी एवं श्री विवेक (समधी, उदयपुर)

वाई नं. 97, अजमेरा कॉलोनी, सवाई माधोपुर
रेलवे लाइन के पास, सांगानेर, जयपुर
मो. 9636860812, 9116515356

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)

को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Mob: 9829059312, 9829436551 E-mail: rajprintlinejpr@gmail.com
rajblocks@yahoo.com

B-81, Road No.4,Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)

को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

उपाध्यक्ष कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका

मो. 9414074376

433ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

भारत के संविधान निर्माण में अम्बेडकर की विशेष भूमिका

डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारत के संविधान को बनाने का श्रेय दिया जाता है। वे संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे, उनके प्रयास से विश्व के संविधानों के सर्वोत्तम प्रावधान लिए जाकर भारत के संविधान में समाहित किये गये।

जुलाई 1946 में संविधान निमात्री सभा का गठन राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों में से निर्वाचित करके हुआ तथा दिसम्बर 1946 में इसकी पहली बैठक हुई। भारत की संविधान सभा में 299 सदस्य थे जिसके अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे। इस सभा ने 2 वर्ष 11 माह तथा 18 दिन में संविधान को तैयार कर 26 नवम्बर, 1949 को इसे अंगीकार कर लिया। किन्तु कांग्रेस ने वर्ष 1930 में 26 जनवरी को पूर्ण स्वराज्य की मांग की थी तथा इस दिन के महत्व को बनाये रखने के लिए संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया और भारत एक गणतंत्र बना। तब से ही प्रतिवर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। इस बार 76वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति प्रोबोवो सुबियेतो थे, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जनपथ पर राष्ट्र ध्वज तिरंगा फहराया तथा परेड की सलामी ली। इस अवसर पर सेना, अर्द्धसेना बलों तथा पुलिस की परेड के साथ आधुनिकतम तकनीक से युक्त अस्त्र-शस्त्रों एवं मनोरम झांकियां निकाली गयी। महामहीम राष्ट्रपति ने अदम्य साहस और शौर्य दिखाकर अपने प्राणों की बाजी लगा देने वाले महान सपूतों एवं उनकी वीरांगनाओं को सम्मानित किया। हमारा संविधान संघात्मक संविधान है तथा विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। सर्वप्रथम संविधान की प्रस्तावना है जिसके अनुसार भारत एक सम्प्रभुता सम्पन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतांत्रिक, गणराज्य है। इसमें संघ एवं राज्यों की शक्तियों का विभाजन है। इसमें जहां नागरिकों के मूल अधिकार हैं तो मूल कर्तव्यों को भी समाहित किया है। स्वतंत्र न्यायपालिका है, वहीं स्वतंत्र निर्वाचन के साथ वयस्क मताधिकार है। धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक है। आपातकालीन परिस्थिति में हमारा संविधान संघात्मक से एकात्मक बनाये जाने के प्रावधान हैं। यदि आवश्यकता हो तो संविधान में संशोधन करने के प्रावधान भी हैं।

इस अनूठे संविधान का स्वरूप प्रत्येक अनुच्छेद पर संविधान सभा की विभिन्न डिबेट्स के बाद स्वीकार किया गया। इसमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान चिर स्मरणीय रहेगा। इनके साथ अन्य महानुभावों का भी सहयोग रहा जिनमें डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जवाहर लाल नेहरू, वल्लभ भाई पटेल, अबुल कलाम आजाद, वी.टी. कृष्णमाचारी आदि महान व्यक्तित्व थे। भीमराव अम्बेडकर के विशिष्ट उनके योगदान के लिए 14 अप्रेल को पूरे देश में उनका जन्म दिवस मना कर उन्हें याद किया जाता है।

-अर्जुन लाल दौराया, महावीर नगर, जयपुर

ब्यावर में विशाल फागोत्सव सम्पन्न

श्री कुमावत शिक्षण एवं सेवा संस्थान (रजि.), ब्यावर द्वारा सेंदडा रोड, ब्यावर के अशोक पैलेस में 16 मार्च को विशाल फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत खाटूश्याम की झांकी एवं 56 भोग के साथ खीर-चूरमे का भोग लगाकर व हवन पूजन करके गणेश वंदना के साथ की गयी। कार्यक्रम में गायक कलाकार प्रदीप वर्मा, बबलू कुमावत और नरेश दगदी द्वारा गणेश वंदना के साथ खाटूश्याम के भाव-विभोर करने वाले भजनों की प्रस्तुतियां दी गई एवं धमाल गीतों के साथ श्रद्धालुओं को भक्तिमय होकर नाचने पर विवश कर दिया। भजनों में अजब मेरे खाटू बाबा तेरे है खेल निराले, खाटूवाला श्याम तेरी शरण में आ गए, सांवरिया सेठ दे दे कानुडा लाल देदे, थाली भरकर लाई खिचडो, होलिया में उड़े रे गुलाल, जैसे खाटू श्याम पर आधारित धमाल भजनों की प्रस्तुति के साथ पुष्पवर्षा, इत्रवर्षा एवं केसर चंदन की वर्षा भी की गई। कार्यक्रम में आए सभी श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था भी शिक्षण संस्थान द्वारा की गई। कार्यक्रम में

अध्यक्ष नरेंद्र आर्य, महामंत्री कपिल जालवाल कोषाध्यक्ष महावीर कुमावत अरुण कुदाल, राजेश दंबीवाल, ब्रजकुमार गुगांवण, भंवरलाल सियोटा, पुरुषोत्तम अनावडिया, प्रमोद जालवाल, जितेंद्र मोरवाल, ओमप्रकाश जालवाल, दिलीप अनावडिया, सुरेश दंबिवाल गुलाब असोला, खेमराज कुदाल, चांदमल पारमवाल, सुरेश जालवाल, जगदीश नेमीवाल, गणेश सिंघीवाल, अंबोज झुनझुनोदिया, चैनराज पारमवाल, कन्हैयालाल देवतवाल, चिरंजीलाल झुन्झुनोदिया, शांतिलाल बेडवाल, कालूराम खाटूवाल, सुवालाल कुंडलवाल, जुगल खाटूवाल, श्याम नाराणिया, विष्णु घोड़ेला, ओमप्रकाश नेमीवाल, प्रकाश मणेठिया, प्यारेलाल जालंधरा, ब्रजबाला जलांधरा, निशा खाटूवाल, भाग्यवंती धुंधारिया, वंदना देवतवाल, रोशन घोड़ेला, पुष्पा देवतवाल, पार्वती कुकड़वाल, पुष्पा खाटूवाल, अर्चना दंबीवाल, रेखा झुंझुनोदिया, सहित हजारों लोग उपस्थित हुऐ। संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्था श्री कुमावत शिक्षण एवं सेवा संस्थान (रजि.) ब्यावर के पदाधिकारी द्वारा की गई।

Created by Universal Document Converter

पर्व और त्योहारों का महत्त्व क्यों ?

पर्व और त्योहार देश की सभ्यता और संस्कृति के दर्पण कहे जाते हैं। वे हमारी संस्कृति की इन्द्रधनुषी आभा में एकरूपता, राष्ट्रीय एकता, अखंडता के प्रतीक होने के साथ-साथ जीवन के श्रृंगार उमंग और उत्साह के प्राण भी कहलाते हैं। इसलिए पर्व और त्योहार सामूहिक चेतना को उजागर करने वाला जीवन्त तत्त्व के रूप में प्रकट हुआ है। हमारे तत्त्ववेत्ता, ऋषि-महर्षियों ने पर्वो, त्योहारों की व्यवस्था इसी दृष्टि से की कि महान व्यक्तियों के चरित्र और घटनाओं का प्रकाश जनमानस में पहुंचे और उनमें धर्मधारण, कर्तव्यनिष्ठा, परमार्थ, लोक मंगल, देशभक्ति की भावनाएं विकसित हों। महान लोगों के मार्ग निर्देशन से समाज समुन्नत और सुविकसित बने। दशहरा, दीवाली, होली, राष्ट्रीय त्योहार, महापुरुषों या अवतारों की जयंतियां इसीलिए मनाई जाती हैं।

पर्व और त्योहारों में मनुष्य और मनुष्य के बीच, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य को सर्वाधिक महत्त्व प्रदान किया गया है, यहां तक कि उसे पूरे ब्रह्मांड के कल्याण से जोड़ दिया है। इनमें लौकिक कार्यों के साथ ही धार्मिक तत्त्वों का ऐसा समावेश किया गया है, जिससे हमें न केवल अपने जीवन निर्माण में सहायता मिले, बल्कि समाज की भी उन्नति होती रहे।

पर्व और त्योहार धर्म एवं आध्यात्मिक भावों को उजागर कर लोक के साथ परलोक सुधार की प्रेरणा भी देते हैं। इस प्रकार मनुष्यों की आध्यात्मिक उन्नति में भी ये सहायक होते हैं। इसके अलावा ये घर परिवार के छोटे-बड़े सभी सदस्यों को समीप लाने, मिल-बैठने, एक-दूसरे के सुख-आनंद में सहभागी बनने को शुभ अवसर प्रदान करते हैं और मानवीय उदारता, समग्रता, प्रेम तथा भाईचारे का संदेश पहुंचाते हैं।

महर्षि कणाद से एक शिष्य ने पूछा-'गुरुदेव ! भारतीय धर्म में व्रतों-जयंतियों की भरमार है। कदाचित् ही कोई दिन ऐसा छूटा हो, जिसमें ये न पड़ते हों।

महर्षि बोले-तात ! व्रत व्यक्तिगत जीवन को अधिक पवित्र बनाने के लिए हैं, जयंतियां महामानवों से प्रेरणा ग्रहण करने के लिए। उस दिन उपवास, ब्रह्मचर्य, एकांत सेवन, मौन, आत्म-निरीक्षण आदि की विधा संपन्न की जाती है। दुर्गुण छोड़ने और सद्गुण अपनाने के लिए देव पूजन करते हुए संकल्प किए जाते हैं। अब उतने व्रतों का निर्वाह संभव नहीं। इसलिए पाक्षिक व्रत करना हो, तो दोनों एकादशी, मासिक करना हो, तो पूर्णिमा और साप्ताहिक करना हो, तो रविवार या गुरुवार में से कोई एक रखा जा सकता है।

- मेघना कुमावत, उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा,
भाजपा सिविल लाइंस मंडल, जयपुर।

इच्छा की प्रबलता ही कार्य की सिद्धि है...

गलती करना बुरा नहीं है; बल्कि गलती को न सुधारना बुरा है। संसार के महान् पुरुषों ने अनेक प्रकार की गलतियाँ की हैं- **रावण** जैसा विद्वान् दुष्कृत्यों से राक्षस, **वाल्मीकि**- डकैत, सूरदास, तुलसी, कबीर, मीरा, रसखान आदि सांसारिक जीवन में गलती करते रहे थे, लेकिन इन्होंने गलती को सुधारा और आगे बढ़कर महापुरुष बने। स्मरण रखिए कि एक गलती को सुधारकर आप किसी न किसी क्षेत्र में आगे बढ़ जाते हैं।

हम सूर्य और चन्द्र को अपने पास नहीं उतार सके इसका कारण उनकी दूरी नहीं, हमारी दूरी की भावना है। हम संसार को बदल नहीं पाये इसका कारण संसार की अपरिवर्तनशीलता नहीं, वरन् हमारे प्रयासों की शिथिलता है। जब हम यह कहते है कि हम स्वयं में परिवर्तन नहीं कर सकते, तो इसे स्थिति और विवशता कहकर न टाले, साफ-साफ अपनी कायरता और अकर्मण्यता कहे; क्योंकि इच्छा की प्रबलता ही कार्य की सिद्धि है।

आत्मा का यथार्थ ज्ञान संपादन करना प्रत्येक मनुष्य का आवश्यक कर्तव्य है। आत्मा अत्यन्त सूक्ष्म, अचल, शुद्ध और सच्चिदानन्द रूप है। जो मनुष्य यथार्थ ज्ञान दृष्टि से आत्मा को नहीं जानता, किन्तु भ्रम व अज्ञानवश होकर उसको कर्ता, भोक्ता, सुखी, दुखी, स्थूल, कृश, अमुक का पिता, अमुक का पुत्र, अमुक की स्त्री, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र इत्यादि भिन्न-भिन्न प्रकार का समझता है, वह बड़ा अपराधी है।

साभारः युगदृष्टा पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स नो माह बाद लौटी

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अप्रत्याशित देरी के कारण अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में नौ महीने से अधिक समय बिताने के बाद पृथ्वी पर लौट आए। उनका अंतरिक्ष यान, स्पेसएक्स का ड्रैगन फ्रीडम कैप्सूल 19 मार्च को शाम 5.57 बजे (बुधवार को 3:27 बजे IST) तल्हासी के पास फ्लोरिडा तट पर सफलतापूर्वक उतरा।

'बुच और सुनी' के साथ अंतरिक्ष यात्री निक हेग और अलेक्जेंडर ग्रेब्योनकिन भी थे, जो दिसंबर में NASA और स्पेसएक्स द्वारा नियोजित बचाव अभियान के हिस्से के रूप में ISS पहुंचे थे।

कैलिफोर्निया में स्पेसएक्स मिशन कंट्रोल ने रेडियो पर कहा, **'स्पेसएक्स की ओर से, घर में आपका स्वागत है।'**

अपनी 17 घंटे की यात्रा के एक घंटे बाद, अंतरिक्ष यात्री अपने झुलसे हुए कैप्सूल से बाहर निकले, नियमित चिकित्सा जांच के लिए स्ट्रेचर पर ले जाए जाने के दौरान कैमरों की ओर हाथ हिलाते और मुस्कुराये। प्रधानमंत्री मोदी ने सुनीता विलियम्स को चिट्ठी लिखकर भारत आने का न्योता दिया है और कहा है कि भले ही आप हजारों मील दूर हो पर हमारे दिलो के करीब है।

Created by Universal Document Converter

डायबिटीज़ पर सामान्य जानकारी

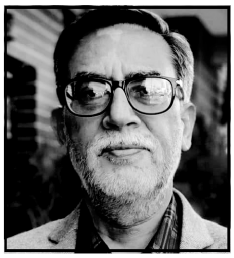

आजकल की तेज जीवनशैली और अनियंत्रित आहार के कारण डायबिटीज़ एक आम समस्या बन चुकी है तथा विश्व में हो रही मृत्यु का एक अहम कारण है।

यह एक उच्च रक्त शर्करा स्तर की स्थिति है, जो शरीर में इन्सुलिन नामक हॉर्मोन की कमी या इंसुलिन के सही उपयोग की असमर्थता से होती है। जिससे रक्त में शुगर का सही रूप से उपयोग नहीं हो पाता और उच्च रक्त शुगर का स्तर एक समस्या हो जाता है। डायबिटीज़ के निम्न कारण होते हैं :-

1. अनुवांशिक कारण : इसमें जेनेटिक प्रभावों ,यानी परिवार मे वंशानुगत संक्रमण की वजह से होता है । इसके लिए कुछ विशेष जीन्स में बदलाव एक कारक होता है ,जिसके कारण इंसुलिन के उत्पादन, उपयोग या इंसुलिन के प्रति रक्षा की क्षमता को प्रभावित होना हैं।

2. पर्यावरिकण कारण : इसमें असंयमित लाइफ़स्टाइल, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता, तनाव तथा अनियमित निद्रा जैसे कारक हैं। इनके कारण शरीर इंसुलिन के उत्पादन और उपयोग में असमर्थ हो जाता है। अक्सर जेनेटिक और पर्यावरणीय कारण के सम्मिश्रण से हिंदुस्तान में डायबिटीज़ के मरीज़ बहुत ज़्यादा पाए जा रहे हैं।

डायबिटीज़ के लक्षण : 1. अत्यधिक प्यास 2. अपरिहार्य वज़न का गिरना। 3. बढ़ी हुई भूख। 4. थकावट जल्दी होना। 5. दृष्टि बाधा या धुँधली दृष्टि। 6. हाथ या पैर में झुंझुनी या सुन्नपन्न, 7. पेशाब अधिक आना, प्यास अधिक लगना। 8. बार बार संक्रमण होना। 9. चमड़ी का सूखापन एवं खुजली। 10. मूत्र का बार-बार आना। 11. मूत्र मार्ग में होने वाले संक्रमण तथा यौन अक्षमता।

डायबिटीज़ की **रोकथाम** के लिए क्या किया जा सकता है।

(1) स्वस्थ आहार, जिसमें अनाज, फल, सब्जियां कम चर्बी वाले प्रोटीन का बैलेंस आहार अपनाया जाए ।

(2) नियमित व्यायाम, नियमित शारीरिक गतिविधियों में शामिल हों, जैसे कि एरोबिक एक्सरसाइज तथा स्ट्रेंथ ट्रेनिंग।

(3) नियमित ब्लड शुगर की जाँच एवं मॉनिटरिंग को जीवन में समायोजित करें ।

(4) दवा का पालन चिकित्सक द्वारा निर्दिष्ट दवाइयां नियमित रूप से ले। नियमित जाँच करवा समय-समय पर चिकित्सक को दिखाएं।

(5) जाँच समय समय पर कराए। वेट मैनेजमेंट, आहार और व्यायाम के संयोजन से स्वस्थ वज़न बनाए रखें।

(6) तनाव कम करें। व्यायाम योग प्राणायाम इत्यादि से तनाव कम करने का प्रयास करें।

(7) पर्याप्त तथा गुणवत्ता वाली नींद सुनिश्चित करें।

(8) पर्याप्त पानी पियें तथा हाइड्रेट रहे।

(9) पैरों की देखभाल करें तथा देखें कि किसी प्रकार का घाव या संक्रमण न हो, यदि हो तो त्वरित चिकित्सा सलाह लें।

(10) ब्लड प्रेशर का समुचित कंट्रोल रखें तथा उसके लिए दवाइयाँ ले।

निदान

डायबिटीज़ के मरीज़ों को कुछ आवश्यक जाँचें करवाना होती हैं जिसमें (1) hb avc टेस्ट है, यह शरीर में 3 महीने की एवरेज शुगर का अंदाज़ बताती है जिसे हर 3 या चार महीने में करवाना चाहिए।

(2) भूखे पेट एवं भोजन के दो घंटे बाद की शुगर की जाँच समय-समय पर करवाना चाहिए।

(3) लिपिड प्रोफ़ाइल, जिसमें शरीर के कोलेस्ट्रॉल इत्यादि की जाँच होती है।

डायबिटीज़ का उपचार

डायबिटीज़ का कोई स्थायी उपचार नहीं है किंतु इसे इलाज के द्वारा कंट्रोल किया जा सकता है type 1 डायबिटीज़ से पीड़ित व्यक्ति को नियमित रूप से इंसुलिन ही लेना पड़ता है। किंतु type2 डायबिटीज़ जो की आमतौर पर प्रौढ़ लोगों को होती है, नियमित एक्सरसाइज संतुलित आहार और वज़न नियंत्रण के अलावा मुख से खाई जाने वाली शुगर नियंत्रक गोलियों के द्वारा भी उपचार होता है।

अत: नियमित व्यायाम, नियंत्रित आहार, नियमित जाँच तथा नियमित दवाइयों के सेवन के द्वारा ही मधुमेह का उपचार किया जाकर, इसके कारण शरीर पर होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। **-डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन**

जीवन की दुर्लभता समझें

जीवन एक अवसर है श्रेष्ठ बनने का, श्रेष्ठ करने का, श्रेष्ठ पाने का, जीवन की दुर्लभता जिस दिन समझ में आ जायेगी उस दिन कोई भी व्यक्ति जीवन का दुरूपयोग नहीं करेगा।

जीवन वो फूल है, जिसमें कांटे तो बहुत मगर सौन्दर्य की भी कोई कमी नहीं। कुछ लोग कांटों को कोसते रहते हैं और कुछ सौन्दर्य का आनन्द लेते हैं।

जीवन में सब कुछ पाया जा सकता है, मगर सब कुछ देने पर भी जीवन को नहीं पाया जा सकता। जीवन का तिरस्कार नहीं अपितु इससे प्यार करें। जीवन को बुरा कहने की अपेक्षा, जीवन की बुराई मिटाने का प्रयास करें, यही समझदारी है।

सबका जीवन मंगलमय हो। **-विचार क्रांति अभियान**

Created by Universal Document Converter

आलोचना: सबसे आसान कार्य!!

जीवनयात्रा में व्यक्ति अनेक खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजरता है। वह कभी फिसलता है, गिरता है, गलतियां भी करता है, किन्तु हर चूक उसे चेताती है, हर ठोकर ठीक चलने का सबक सिखाती है तथा हर असफलता, सफलता के द्वार खोलती है। इस प्रकार वह प्रत्येक घटना से बोध पाठ पढ़ता है और परिपक्वता के साथ-साथ अनुभव प्रवण भी बनता जाता है। उन अनुभवों से प्रेरणा लेकर जो निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं, वे अपने व्यक्तित्व की स्वतंत्र पहचान बना लेते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन जाते हैं। लेखक व प्रोफेसर मॉरी शेजवार्ट्ज ने अपनी किताब **'ट्यूसडेज विद मॉरी'** में लिखा है, 'अपने आसपास मैं रोज सैकड़ों लोगों को देखता हूं, इनमें से कई हैं, जो सफल हैं, व्यस्त हैं, पर इतने थके हुए दिखते हैं जैसे अधमरे हों। मैं मानता हूं कि वे उस रास्ते पर नहीं चल रहे, जिन पर उन्हें चलना चाहिए।' सही रास्ता वो है, जो आपको आशावादी बनाए, संतोष दे, आपको मुस्कराने की वजह दे। इन सबके लिए आपको सफल, अमीर या शक्तिशाली बनने की बजाय संवेदनशील एवं करुणाशील बनने की जरूरत है।

अक्सर कुछ महान करने के चक्कर में हम कुछ नहीं कर पाते। हम दूसरों के किए हुए में कमियां निकालने में लगे रहते हैं और दूसरे सब बातों से बेपरवाह एक के बाद एक सफलता अपने नाम करते जाते हैं। हम पूर्णता की चाह में अटके रहते हैं, और दूसरे आधे-अधूरे काम करते हुए बढ़ते जाते हैं।

कमी निकालने वाले नजरिए की वजह से सभी में कमी निकालना एक स्वभाव-सा बन जाता है। फिर व्यक्ति कुछ भी बुरा होने का दोष भगवान पर या अपने आस-पास वालों पर मढ़ देता है। वह कहता है कि मैंने भगवान की इतनी पूजा-पाठ की और बदले में उन्होंने मुझे ये परेशानियां दीं या फिर मेरे जीवन की सारी तकलीफ़ का कारण मेरे रिश्तेदार हैं। लेकिन इसके विपरीत जब कुछ अच्छा होता है, तब वह खुद को ही शाबाशी देता है। यह हमेशा कमी निकालने वाला नजरिया हमारे अहंकार को बढ़ाए रहता है।

यह अहंकार सही और गलत में फर्क करने की हमारी क्षमता को खत्म कर देता है। ऐसे में, व्यक्ति सच और झूठ में अंतर नहीं कर पाता और ऐसी हालत में फंसे व्यक्ति का ज्ञान नष्ट हो जाता है। ऐसा होते ही बुद्धि भ्रमित होने लगती है और भ्रमित बुद्धि व्यक्ति का नाश कर देती है। इसलिए अगर हमारे अंदर हर परेशानी पर किसी न किसी को दोष देने की आदत है तो उसे बदलने में ही हमारा हित है। किसी पर भी दोष लगाना बंद कर दीजिए।

ऐसा करने से हमारे अंदर का गुस्सा खत्म होगा और सबके लिए प्रेम उपजने लगेगा।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में रहते हुए एक-दूसरे के साथ बातचीत करना और विचार साझा करना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो हमेशा दूसरों की कमियाँ निकालने में लगे रहते हैं। ऐसे व्यवहार का कारण, प्रभाव और समाधान समझना आवश्यक है।

दूसरों की कमियाँ निकालने के कारण

1. असुरक्षा की भावना: कई बार लोग अपनी कमजोरियों को छुपाने के लिए दूसरों की गलतियाँ उजागर करते हैं। इससे उन्हें अपने भीतर की असुरक्षा को ढकने का मौका मिलता है।

2. ईर्ष्या: किसी की सफलता या अच्छाई देखकर कुछ लोग ईर्ष्या का शिकार हो जाते हैं और उसकी कमियाँ निकालकर खुद को बेहतर महसूस करते हैं।

3. आदत: कुछ लोगों को आलोचना करने की आदत होती है। वे हर चीज़ में कमी ढूंढते हैं, चाहे सामने वाला कितना भी अच्छा क्यों न हो।

4. ध्यान आकर्षित करने की चाह: कई बार लोग दूसरों की आलोचना करके खुद को ज्यादा समझदार और जानकार दिखाने की कोशिश करते हैं।

ऐसे व्यवहार के दुष्प्रभाव

1. नकारात्मकता का प्रसार: निरंतर आलोचना से समाज में नकारात्मकता फैलती है और संबंधों में कटुता आती है।

2. आत्मविश्वास में कमी: बार-बार आलोचना सुनने से व्यक्ति का आत्मविश्वास टूट सकता है।

3. रिश्तों में दूरी: निरंतर कमियाँ निकालने से रिश्तों में विश्वास और प्रेम कम हो जाता है।

समाधान और सकारात्मक दृष्टिकोण

1. आत्मचिंतन करें: खुद की कमजोरियों को पहचानें और दूसरों की कमियों पर ध्यान देने से पहले आत्मविश्लेषण करें।

2. सकारात्मक सोच विकसित करें: हर किसी में कुछ न कुछ अच्छा होता है। उसकी सराहना करना सीखें।

3. समझदारी से प्रतिक्रिया दें: यदि कोई गलती करता है, तो उसे शांति से और प्रोत्साहित करने वाले शब्दों में समझाएं।

4. स्वीकार करना सीखें: कोई भी पूर्ण नहीं होता, इसलिए दूसरों की कमियों को स्वीकार कर सहनशील बनें।

दूसरों की कमियाँ निकालना सरल है, लेकिन उनकी अच्छाइयों को पहचानना और सराहना करना महानता है। यदि हम अपने आसपास सकारात्मक वातावरण बनाना चाहते हैं, तो हमें दूसरों को सुधारने से पहले खुद को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। सकारात्मक दृष्टिकोण से न केवल रिश्ते मजबूत होते हैं,

Created by Universal Document Converter

बल्कि समाज में भी सद्भावना का संचार होता है।

जो निकाल रहे मुझ में कमियां हजार, कभी एक बार निभा कर देखें मेरा किरदार।

औकात तब अपनी स्वयं ही पता चल जायगी, कमियां निकालने की आदत तब चली जायगी।

सबसे सरल काम होता दूसरों की कमी निकालना, सबसे कठिन काम होता स्वयं की कमी निकालना।

कमियां ढूंढने वाले को बस कमी ही नजर आती है, साफ स्वच्छ चंद्रमा में भी काली छाया नजर आती है।

जिसका मन मंदिर सुंदर होता अच्छे विचार आते हैं, कमियों वाले इंसानों में भी वह प्रभु के दर्शन पाते हैं।

- डॉ प्रिया मारवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर

''प्रतिक्रिया नहीं, समझदारी चुनें''

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि... मुझे हर उस बात पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, जो मुझे चिंतित करती है।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि... जिन्होंने मुझे चोट दी है, मुझे उन्हें चोट नहीं देनी है।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि...शायद सबसे बड़ी समझदारी का लक्षण भिड़ जाने के बजाय अलग हट जाने में है।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि...अपने साथ हुए प्रत्येक बुरे बर्ताव पर प्रतिक्रिया करने में, आपकी जो ऊर्जा खर्च होती है, वह आपको खाली कर देती है और आपको दूसरी अच्छी चीजों को देखने से रोक रही है।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि... मैं हर आदमी से वैसा व्यवहार नहीं पा सकूंगी, जिसकी मैं अपेक्षा करती हूँ।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि...किसी का दिल जीतने के लिए बहुत कठोर प्रयास करना, समय और ऊर्जा की बर्बादी है और यह आपको कुछ नहीं देता, केवल खालीपन से भर देता है।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि... जवाब नहीं देने का अर्थ यह कदापि नहीं कि यह सब मुझे स्वीकार्य है, बल्कि यह कि मैं इससे ऊपर उठ जाना बेहतर समझती हूँ।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि...कभी-कभी कुछ नहीं कहना सब कुछ बोल देता है।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि... किसी परेशान करने वाली बात पर प्रतिक्रिया देकर, आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण की शक्ति किसी दूसरे को दे बैठते हैं।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि...मैं कोई प्रतिक्रिया दे दूँ, तो भी कुछ बदलने वाला नहीं है इससे लोग अचानक मुझे प्यार और सम्मान नहीं देने लगेंगे। यह उनकी सोच में कोई जादुई बदलाव नहीं ला पायेगा।

मैं धीरे-धीरे सीख रही हूँ कि...जिंदगी तब बेहतर हो जाती है, जब आप इसे अपने आस-पास की घटनाओं पर केंद्रित करने के बजाय उस पर केंद्रित कर देते हैं, जो आपके अंतर्मन में घटित हो रहा है।

आप अपने आप पर और अपनी आंतरिक शांति के लिए काम करिए और आपको बोध होगा कि चिंतित करने वाली हर छोटी बड़ी बात पर प्रतिक्रिया नहीं देना,

''मत बनना सीप की मोती के जैसे।

तुम पेड़ ही बनना, बेल जैसे बढ़ने की कोशिश न करना। दूसरे के सहारे जितना बढ़ना खुद के बल पर ही बढ़ना''!!

- सीमा कुमावत (मारवाल)

क्यों बढ रहे हार्ट के मरीज

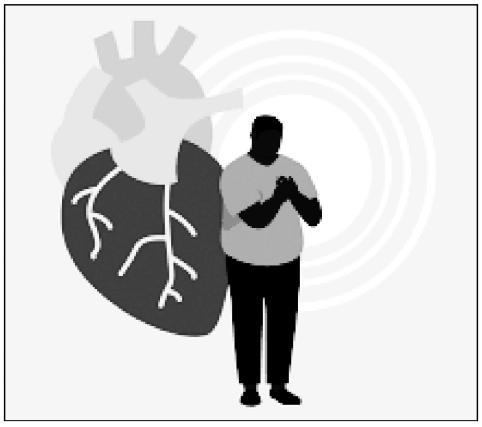

नवभारत टाइम्स के एक समाचार के अनुसार बीते 15 वर्षों में 34% हार्ट के मरीज़ बढ़े है, कारण दूसरे भी हो सकते हैं पर आधुनिक जीवन शैली का इसमें महत्त्वपूर्ण योगदान है। सबसे बड़ा कारण हमने हार्ट खोलना बंद कर दिया या यों कहें आध्यात्मिक उपचार से हार्ट का शुद्धीकरण बंद कर दिया। हम लोक व्यवहार में सुखी जनों के लिए मैत्री की जगह Gluckschermz या कुभावना (ill will), दु:खी जनों के लिए करूणा की जगह निर्दयता या Schadenfreude, गुणाधिक जनों के लिए मुदिता की जगह विद्वेष एवं दुष्टजनों के लिए उपेक्खा / समभाव (Equanimity) के स्थान पर मानसिक विक्षेप के भाव पैदा (Cultivate) करते हैं। यही भाव हमारे सभी तरह के रोगों की जड़ है। अन्तोगत्वा हमें हार्ट सर्जन से हार्ट खुलवाना पड़ता है।

जीवन में निरोगी रहने कला अमेरिकन लेखक बी. एलन वॉलेस की पुस्तक THE FOUR IMMEASURABLES - PRACTICES TO OPEN THE HEART ज़रूर पढ़कर उस पर अमल करना चाहिये।

-एस आर सिंघाटिया

Created by Universal Document Converter

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

18 फरवरी श्री दामोदर प्रसाद उदयवाल, माधोराजपुरा, जयपुर
18 फरवरी श्रीमती रुकमा देवी पत्नी स्व. फूलचंद लोहरवाड़िया, मनोहरपुर
19 फरवरी श्रीमती निशा कुमावत (नेहरा) प्रतापनगर, जयपुर
22 फरवरी श्रीमती साक्षी देवी पत्नी श्री देवेन्द्र (दिलीप), बूबानी
24 फरवरी श्रीमती भागवंती देवी पत्नी स्व. श्री अंबालाल
25 फरवरी श्री विष्णु शंकर माणनीया, उदयपुर
25 फरवरी श्री गुरुदयाल घोडेला, लालकोठी योजना, जयपुर
25 फरवरी श्री राधेश्याम तुनगरिया, खातीपुरा, जयपुर
27 फरवरी श्री मोहनलाल घीया, उदयपुर
27 फरवरी श्रीमती विमाल देवी पत्नी स्व. श्री उदयशंकर जी घोड़ेला, जयपुर
28 फरवरी श्रीमती मांगी देवी पत्नी श्री मोहनलाल अजमेरा, सांगानेर
1 मार्च श्रीमती गुलाब देवी पत्नी स्व. मास्टर घासीलाल जालन्धरा, जयपुर
1 मार्च श्री दिनेश घीया पुत्र स्व. श्री मोहनलाल, उदयपुर
2 मार्च श्रीमती सूरजदेवी पत्नी स्व. श्री बाबूलाल कैकटया, जयपुर
2 मार्च श्रीमती नन्छी देवी पत्नी श्री गोविन्द नारायण तांगडा, झोटवाड़ा
2 मार्च श्री प्रकाशचंद छाबल्या, सांगानेर
3 मार्च श्रीमती चौथी देवी पत्नी श्री रामदेव सिरोडिया, किशनगढ़-रेनवाल
3 मार्च श्री कल्याण सहाय जूनवाल, जयपुर
4 मार्च श्रीमती कंकूदेवी पत्नी स्व. श्री कन्हैयालाल ऊँटवाल, उदयपुर
4 मार्च श्रीमती छूटनी देवी पत्नी स्व. श्री छोटीलाल बबेरीवाल, लाल कोठील, जयपुर
5 मार्च श्रीमती नीतू पत्नी श्री उमेश जलेन्द्रा, झोटवाड़ा
6 मार्च श्री राकेश खोराणिया, सांगानेर
9 मार्च श्री रतनचन्द वर्मा (तोंदवाल), जयपुर
10 मार्च श्री सोहनलाल घड़ीसाज, चौमूं
10 मार्च श्रीमती संतोषदेवी पत्नी श्री लालचंद सिंगाटिया, गूर्जर की थड़ी, जयपुर
10 मार्च श्रीमती गंगादेवी पत्नी स्व. हजारी लाल, सूरत/झुंझुनूं
14 मार्च श्री गौरव बातरा, देवाली, उदयपुर
14 मार्च श्रीमती फूली देवी धर्मपत्नी खेमचन्द मारवाल, टोंक फाटक, जयपुर
15 मार्च श्री भंवरलाल पुत्र स्व. श्री प्रभूनारायण मारवाल, सोडाला, जयपुर

Created by Universal Document Converter

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
उत्कर्ष	B.Tech. (CS)	Software Engineer in P.Co	26.7.2000	5'11''	गैदर	जालवाल	अनावड़िया	नीमीवाल	9983313564	जयपुर
आशीष	B.Tech. (Civil)	Sr. Proj. Manager	13.11.92	5'9''	रेनीवाल	घोड़ेला	राहोरिया	जलान्दरा	9588289179	जयपुर
निखिल	B.Tech. (E.E.)	PPC Analist	1.7.93	5'10''	राणोलिया	जालवाल	बालोदिया	कारगवाल	9950669313	जयपुर
पवन	B.Com.	Mobile Shop	29.1.97	5'9''	मरोडिया	बालोदिया	भोड़या	खोवाल	8619986121	जयपुर
अभिषेक	B.Tech.	Software Engineer	2.3.2000	6'0''	गोठवाल	सिरस्वा	तांगड़ा	छापोला	9352589922	जयपुर
डॉ. विजय	MBBS	-	23.11.93	5'11''	खोराणिया	ब्याड़वाल	होदकास्या	तूनवाल	7976119598	चौमूं
संदीप (मांगलिक)	B.Tech.	JEN(Govt. Ser.)	23.7.97	5'8''	खोवाल	तून्दवाल	मारवाल	दिलीवाल	9680416206	जयपुर
राहुल	M.Com.	Accountant	21.4.98	5'8''	घोड़ेला	दम्बीवाल	बबेरवाल	सिरोहिया	9829865252	-
सुनील	B.A.,LLB	Advocate	10.11.90	5'4''	ब्याड़वाल	खोवाल	कारगवाल	मारवाल	9314557117	जयपुर
सुनील	B.Sc., B.Ed.	Pvt..	15.12.99	5'7''	खोवाल	तून्दवाल	मारवाल	दिलीवाल	9828018259	फुलेरा
भागचन्द	M.Sc. (Ch.) CTET+BEd	Preparation	20.3.97	5'7''	कारगवाल	कुदाल	नागा	दम्बीवाल	9436591372	सांभरलेक
विशाल	M.A., BEd. UCGNET	Preparation	6.9.98	5'8''	कारगवाल	कुदाल	नागा	दम्बीवाल	9436591372	सांभरलेक
डॉ. किशन	MBBS	Preparing	2.7.95	5'7''	किरोड़ीवाल	मारवाल	घोड़ेला	तूनवाल	9001972560	झुंझुनूं
रोहित	M.Com.	Businesss online & offline	1.2.98	5'11''	सिरोहिया	होदकास्या	मारवाल	गुड्डीवाल	9314942909	जयपुर
रोहित	M.C.A.	Software Eng.	4.2.02	5'6''	किरोड़ीवाल	मारवाल	घोड़ेला	मारोठिया	9269286493	-
कुनाल	B.Tech.,M.Tech.	AI Manager	18.12.95	5'9''	मारवाल	मामोडिया	सारड़ीवाल	लोहरवाड़िया	9414212361	अजमेर
हिमांशु	Diploma Elect.	E-commerce Business	26.10.94	5'8''	खोवाल	गैदर	मारोठिया	जालवाल	9309099523	-
पुनीत	M.Com.,CA	Accountant (UAE)	3.2.91	5'11''	राजोरिया	शिवदासानी	तूंदवाल	-	8559818985	जयपुर
गोविन्द	B.A.	Department Store	6.4.98	5'5''	रेवडिया	जलान्दरा	मोरवाल	मारवाल	9784361751	चौमूं
प्रशान्त	MBA, Sangeet Visarad	Musical Classes	12.4.87	5'9''	अजमेरा	नीमीवाल	भोरोदिया	किरोड़ीवाल	9829447772	जयपुर
विनोद	B.Com.	Accountant & Audit Ex.	8.5.97	5'8''	कण्डेरीवल	भधानिया	खटवाल	बालोदिया	9694132193	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
शक्सी(चिंकी)	B.Com.,LLB	Prepairing for RJS	18.9.93	5'4''	खोरानिया	किरोड़ीवाल	बिर्थला	मारवाल	9829111135	जयपुर
रविना	M.Com. RSCIT	Fashion Degi.	12.1.97	5'3''	मारवाल	अनावड़िया	बधानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
निशा	M.Sc.(Ch.)RKCL	Net. Bank Preparation	19.9.99	5'0''	मारोठिया	आसीवाल	बरमुंडा	मारवाल	9829720473	सीकर
निहारिका(मांगलिक)	B.Com., LLB	-	19.3.98	5'2''	भोड़ीवाल	सोकल	सिरस्वा	निरानिया	9413205020	झुंझुनूं
दीपिका	MS.(Econo.) IIT	Data AnalyticsHSBCBank	2.9.94	5'4''	ब्याड़वाल	कारगवाल	गुजरी	वावली	9950660054	सीकर
नेहा	M.Com.	-	5.8.95	5'2''	दोराया	किरोड़ीवाल	सिरोहिया	मारवाल	8619849700	जयपुर
तानिश	BA. LLB	Advocate	22.8.98	5'6''	लोठ्या	सिरस्वा	जलान्दरा	खोवाल	9928875240	जयपुर
नेन्सी	B.Com. Hon.	-	14.2.2001	5'3''	भोदीवाल	कारगवाल	किरोड़ीवाल	मनेठिया	9887876723	जयपुर
मोनिका	M.A.	-	27.10.98	5'3''	माचीवाल	निमीवाल	अनावड़िया	बारवाल	9660230812	जयपुर
सपना	M.Com.	-	25.11.2003	5'2''	रेवाड़िया	जलान्दरा	मोरवाल	मारवाल	9784361751	चौमूं
निहारिका	B. of Design, IIT	Working in MNC	5.9.2000	5'6''	सारड़ीवाल	महरावंडया	खोवाल	कारगवाल	9414030084	जयपुर
स्वेता	Graduation	Nursing officer in Fortis	13.10.94	5'3''	आसीवाल	केकट्या	माचीवाल	दोराया	7737910999	जयपुर
नीतू	M.A.	-	15.9.94	5'2''	सिरोहिया	अजमेरा	धुंधारिया	छापोला	8302341694	जयपुर
विजयलक्ष्मी	M.A.,BEd.	Deed writer	22.4.96	-	कारगवाल	मारोठिया	जूनवाल	नराणिया	9351545433	जयपुर
डॉ. चेतना	M.Com., PhD.	Asst. Prof. Govt collage	28.5.92	5'5''	सिरोहिया	मारवाल	हीरापुरिया	घासोलिया	9829018840	जयपुर
शिप्रा	B.Com., LLM	Govt. Compitition	12.11.93	5'5''	भडानिया	मारवाल	खोवाल	उदयवाल	9784086370	जयपुर
खुशबू	B. Com.,MBA	Pvt. Ltd.	14.8.2000	5'5''	जलान्दरा	दौराया	खरकटा	मालिया	9979185500	जयपुर/गुजरात

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

Created by Universal Document Converter

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/30 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Created by Universal Document Converter

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)
को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु
मोहनलाल कुमावत
ट्रस्टी
दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट (रजि.)
शिवदासपुरा, ओपन शेल्टर होम
मो. 9887557425

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)
को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु
रामप्रकाश कुमावत
एडवोकेट
मो. 9887440666
भट्टों की गली, रामपुरा वाया जाहोता, जयपुर

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)
को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु
सी.एम. कुमावत
(एम.डी., सी.एम.टी. आर्ट, प्रा.लि., जयपुर)
98290 56063
एफ-31/A, लाल बहादुर नगर (प.), एस.एल. मार्ग, दुर्गापुरा, जयपुर

श्रीमती सरन देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री आनन्दी लाल वर्मा (लखेसरा)
की द्वितीय पुण्य तिथि 15 मार्च, 2025
पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धान्वत

बसंत-एन.पी. वर्मा से.नि. वरिष्ठ भूजल वैज्ञानिक (पुत्रवधु-पुत्र), विमला-प्रेमचंद जी (पुत्री-दामाद), शिवानी-मधुर (पौत्रवधु-पौत्र), ऋतु-सुरेश, कविता-नरेश, कुसुम-निशांत (पौत्री-पौत्री दामाद), निर्विता (पड़पौत्री) एवं लखेसरा (कुमावत) परिवार

एफ-24, 4th एवेन्यू, लालबहादुर नगर-प., जे एल एन मार्ग, जयपुर मो. : 9414238619, 9662038662

21.09.1948 से 18.04.2014
(वैशाख कृष्णा चतुर्थी संवत 2071)

11वीं पुण्य तिथि 18 अप्रैल 2025

स्वर्गीय श्रीमती दुर्गा देवी कुमावत

धर्मपत्नी ओम प्रकाश कुमावत (छापोली वाले)
(सेवा निवृत वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी,भारत सरकार)

आपकी सहृदयी जीवन की स्मृतियां हमारी अक्षुण धरोहर है, सभी परिवार जन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधू : आशुतोष-मिताली(सुपुत्री श्रीमती दमयंती महेश जी कुदाल,जयपुर), पौत्र : युवराज (प्रिंस), सात्विक(मनु), पुत्री-दामाद : अनीता(नीतू)-श्री अनिरुद्ध नोखवाल, जयपुर, अरुणा(पप्पी)-श्री पवन मंडोरिया,कोटा, दोहिते : सुधांशु नोखवाल(कानु), हेरंब मंडोरिया (हनु), परिवार पक्ष : महावीर प्रसाद एवं समस्त कोलूगरिया परिवार पीहर पक्ष : रामगोपाल वर्मा एवं समस्त नीमीवाल परिवार व ताराशंकर दादरवाल परिवार

पता : 86/176, कुंभा मार्ग, प्रताप नगर हाउसिंग बोर्ड, सांगानेर, जयपुर-302033
मोबाइल : 9829015163, 9958006366,7728909266

स्व. 21.03.2009
16वीं पुण्यतिथि
21.03.2025

स्व. श्री कन्हैयालाल जी

स्व. 02.11.2006
19वीं पुण्यतिथि
02.11.2025

स्व. श्रीमती जमना देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : रामकुमार बिरथलिया - भौंरीदेवी (से.नि. मैने, पी.एन.बी.)
पौत्र - पौत्रवधु : पूनम - महेन्द्र कुमावत, सी.ए.सी.एस., आस्ट्रेलिया
नीलम (मोना) - दीपेन्द्र कुमावत, सी.ए. आस्ट्रेलिया
पौत्री - पौत्री दामाद : मंजू - इंजि., संजय गोयल (गोल्या)
पड़पौत्री : रूसवी, आहना,
पड़पौत्र : मेधिर, यूवल

निवास : बी-186, वैशाली नगर, जयपुर - 302021

स्व. 13.04.2015

दशम् पुण्यतिथि 13.04.2025

स्व. श्रीमती परवेश कुमावत (गैदर)

धर्मपत्नी श्री कृष्ण गोपाल कुमावत (के.जी. रेडियो)

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

आपका स्नेह, ईश्वर भक्ति, सद्व्यवहार, सेवाभावना एवं प्रेरणादायक जीवन सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रृद्धान्वत:
पुत्र-पुत्रवधु : राजसिंह - संतोष, हेमेन्द्र सिंह-दीपाली
पुत्री-दामाद : उषा -सतीश भेड़ीवाल, शालिनी-नेमीचन्द मारोठिया
पौत्र : उत्कर्ष, हर्षवर्धन, हार्दिक
पौत्री : फणिन्द्रा, रूपल एवं समस्त गैदर परिवार

बी-14, मधुबन कॉलोनी, किसान मार्ग, टोंक रोड, जयपुर मो. 9468900276

स्व. 19.03.2016

नवम् पुण्यतिथि
19 मार्च, 2025

स्व. श्रीमती आशा देवी कुमावत

(पूर्व अध्यक्षा - भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा ईकाई - सांगानेर)

(धर्मपत्नि सोहन लाल अजमेरा)

आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।
आज हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत:

सोहन लाल कुमावत (एडवोकेट) पति, अजय-पूनम (पुत्र-पुत्रवधु) कार्तिकेय-परिधि (पौत्र -पौत्री) संग्राम सिंह-ममता, दीपा-बृजेश कुमार मीनाक्षी-राजकुमार (दामाद-पुत्रियां)

बाजगी तलाई, वार्ड नं. 97 (New), सांगानेर, जयपुर मो. 9636860812

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

स्व. श्री भौंरीलाल धुंधारिया — स्व. श्रीमती भंवरी देवी

32वीं पुण्यतिथि 7.10.2025 — 26वीं पुण्यतिथि 9.4.2025

श्रद्धावन्त :
पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता,
पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला-रूकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शान्ती, प्रेमनारायण घोड़ेला-इन्दिरा, पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल, नीरज,
दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी, कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता- नरेन्द्र आसीवाल

बी-137 -बी, आनंदपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9413335998
27 शिव विहार, पांच्यावाला, महाराण प्रताप रोड, जयपुर मो. 7219924079

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा महिला एडवोकेट **श्रीमती पूनम अजमेरा** (धर्मपत्नी श्री अजय कुमार अजमेरा) को **कुमावत क्षत्रीय विकास समिति, सांगानेर, जयपुर** की **उपाध्यक्ष** निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई।**

शुभेच्छु

श्री सोहन लाल अजमेरा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) जयपुर, श्री भगवान लाल जी कुमावत-यशोदा देवी **(माता-पिता)**, विवेक कुमावत **(भाई)**, कार्तिकेयन एवं परिधि **(पुत्र-पुत्री)**

वार्ड नं. 97, अजमेरा कॉलोनी, सवाई माधोपुर
रेलवे लाइन के पास, सांगानेर, जयपुर
मो. 9116515356, 9314698021

हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएँ!

कर्तिकेयन अजमेरा B. Tech. (CS) ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और समर्पण के बल पर वडोदरा स्थित शीर्ष MNC में **सॉफ्टवेयर इंजीनियर** के रूप में गौरवशाली पद प्राप्त किया है। यह पूरे परिवार के लिए गर्व और हर्ष का अविस्मरणीय क्षण है। यह सफलता उनकी अथक मेहनत और लगन का प्रमाण है।

कर्तिकेयन अजमेरा को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए असीम शुभकामनाएँ!

''आपका परिश्रम आपके सपनों को साकार करता रहे और सफलता की नई ऊंचाइयां छुएं!''

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छु **दादा जी :** अधिवक्ता सोहनलाल कुमावत, **पिता :** अजय अजमेरा, **माता :** अधिवक्ता पूनम अजमेरा, **बहन :** पारिधि अजमेरा (दिल्ली विश्वविद्यालय, एप्लाइड क्लीनिकल साइकोलॉजी), **बुआ :** ममता (आंगनवाड़ी), दीपा (नगर निगम), मीनाक्षी (फायर डिपार्टमेंट), **नाना-नानी :** भगवान लाल कुमावत (सिविल इंजीनियर) यशोदा देवी, **मामा :** विवेक कुमावत

वार्ड नं. 97, अजमेरा कॉलोनी, सवाई माधोपुर
रेलवे लाइन के पास, सांगानेर, जयपुर
मो. 9116515356, 9314698021

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)

को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल
मो. 9549656438
7/218, मालवीय नगर,
जयपुर-302017

श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत)

को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

खेमचंद खड़गटा
मो. 9829140629, 6378593224
उप-कोषाध्यक्ष,
कुमावत इंडिया पत्रिका

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

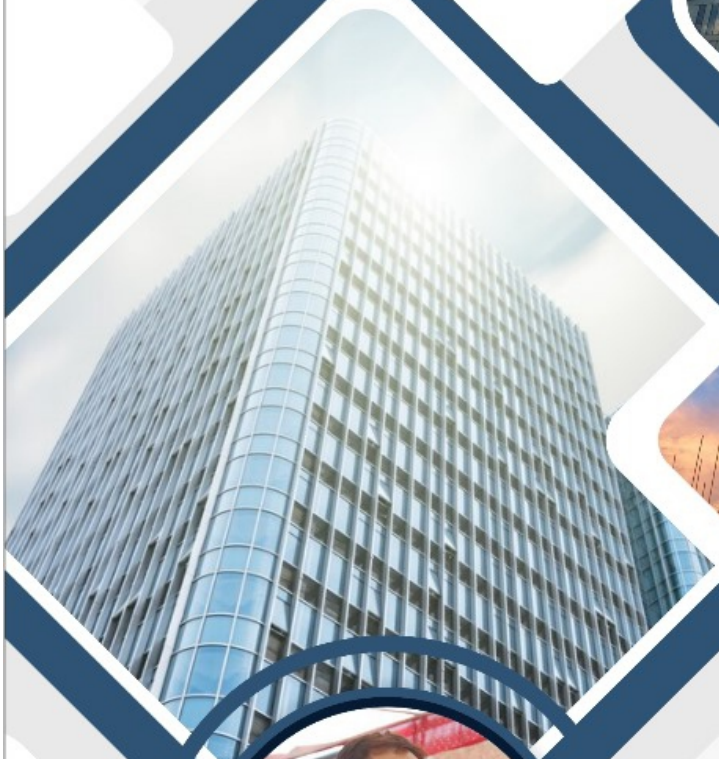

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

**Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525**

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक : कमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018